संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 324
पृष्ठ 8
शुक्रवार
14 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– कभी नहीं खाना चाहिए...

विचार– आज़ादी, आंदोलन और युवा भारत

खेल– अपनी बायोपिक का क्या नाम...

योगी सरकार की तैयारी

यूपी में महिलाओं को मिलेंगे 50–50 हजार रुपए

लखनऊ,संवाददाता। यूपी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ी योजना लागू कर सकती है। इसके तहत महिलाओं को 50–50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। चुनाव से पहले 20 हजार रुपए की पहली किस्त दी जाएगी। चुनाव के बाद भाजपा की सरकार बनने पर 10–10 हजार रुपए की 3 किस्तें दी जाएंगी। सरकार में योजना को लेकर मंथन शुरू हो गया है। दरअसल, पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा की नजर अब यूपी पर है। बिहार में जिस तरह चुनाव से पहले महिलाओं के खातों में 10–10 हजार रुपए भेजे गए थे। उसी तर्ज पर यूपी में भी योजना शुरू की जाएगी। योगी सरकार विधानसभा चुनाव की

तैयारियों में जुट गई है। जेन–जी आंदोलन के बीच सरकार महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ी योजना पर विचार कर रही है। महिलाओं की सहायता, स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के लिए योजना पर विचार किया जा रहा है। महिला कल्याण विभाग के जरिए योजना प्रस्तावित की जाएगी। योजना के तहत महिलाओं को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने पर विचार हो रहा है। सरकार योजना में एससी, एसटी परिवारों की महिलाओं के साथ बीपीएल परिवारों की महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को प्राथमिकता देगी। इसमें ऐसे परिवारों की महिलाओं को शामिल किया जा सकता है, जिनकी आय 12 लाख रुपए से ज्यादा नहीं है।

सरकार के लोगों का मानना है कि महिलाओं को नकद प्रोत्साहन की योजना विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर साबित हो सकती है। इस तरह की योजना सबसे पहले मध्यप्रदेश, फिर महाराष्ट्र और बिहार विधानसभा चुनाव में लागू की गई थी। उन योजनाओं के कारण वहां भाजपा की सरकार बनी थी। राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्रनाथ भट्ट का मानना है कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में महिलाओं को नकद सहायता देने का चुनाव में फायदा मिला है। अगर यूपी में भी इस तरह की योजना सरकार लागू करती है, तो निश्चित तौर पर उसका भाजपा को चुनाव में फायदा होगा। प्रदेश में करीब 5.67 करोड़ महिला मतदाता हैं। अगर महिलाओं को नकद राशि मिलती है, तो इसका असर चुनाव पर पड़ेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत हुई थी। एनडीए ने वहां 202 सीटें जीती थीं। एनडीए की उम्मीद से ज्यादा जीत में महिलाओं के अभूतपूर्व समर्थन और वोटों को आधार माना गया। महिलाओं के एनडीए के लिए इस झुकाव की वजह चुनाव से पहले जीविका दीदी के खाते में भेजे गए 10–10 हजार रुपए रहे। योगी सरकार के मंत्री, भाजपा के पदाधिकारी और राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं। इसीलिए मध्यप्रदेश की लाडली बहना योजना, महाराष्ट्र की सीएम माझी बहन लड़की, हरियाणा की दीनदयाल लाडो लक्ष्मी के बाद यूपी में भी महिलाओं और बेटियों के वोट को साधने के लिए भाजपा गेमचेंजर योजना लागू करने वाली है।

वंदे मातरम का गान, पहली बार सदन में राष्ट्रगान जैसा पूर्ण सम्मान

नई दिल्ली,एजेंसी। मानसून सत्र के आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही वंदे मातरम का पूर्ण गान हुआ। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के स्थगित कर दी गई। सत्र के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। दिन में 11 बजे स्पीकर ओम बिरला ने आते ही राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गान की बात कही। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। खास बात ये रही कि मानसून सत्र में महज 15 घंटे ही काम हुआ। संसद का पूरा मानसून सत्र हंगामेदार रहा। इसकी वजह से सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। नीट पेपर लीक को लेकर जंतर मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर लोकसभा और

राज्यसभा में चर्चा जरूर हुई। हालांकि, इसमें भी राहुल गांधी ने छात्रों के मार्च पर पैलेट गन चलाने के ऑर्डर का मुद्दा उठाया, जिसे लेकर लोकसभा में काफी हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही इससे प्रभावित रही। इसके अलावा और किसी मुद्दे पर खास चर्चा नहीं हो सकी। विपक्ष लगातार अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर संसद परिसर में प्रदर्शन करता रहा। वहीं छात्रों पर बल प्रयोग के आदेश को लेकर अमित शाह से जवाब की मांग को लेकर भी लोकसभा में हंगामा होता रहा। इस दौरान विपक्ष ने बस एक ही मांग उठाई कि आखिर अमित शाह सदन में क्यों नहीं आ रहे। इस बीच बुधवार को अमित शाह ने कहा कि विपक्ष सदन चलने दे, हम हर जवाब देने के लिए तैयार हैं। हालांकि, हंगामा थमा नहीं। ऐसे में गुरुवार को उम्मीद थी कि सरकार की ओर से कुछ कहा जाएगा। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। लोकसभा की कार्यवाही तय समय 11 बजे शुरू तो हुई लेकिन स्पीकर ओम बिरला ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गान के लिए कहा।

'हर घर तिरंगा' से हर भारतीय जुड़ा–अमित शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपने आवास पर श्हर घर तिरंगाश अभियान के तहत तिरंगा फहराया और कहा कि इससे हर भारतीय के दिल में देशभक्ति और गर्व की भावना मजबूत होती है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एश पर कहा कि आज, नई दिल्ली में अपने आवास पर मैंने श्हर घर तिरंगाश अभियान के तहत तिरंगा फहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह अभियान आज हर भारतीय के दिल में देशभक्ति और गर्व की भावना को और मजबूत कर रहा है। आज करोड़ों देशवासी तिरंगे से जुड़ रहे हैं और श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना को सशक्त बना रहे हैं। हर घर तिरंगा अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के तहत शुरू किया गया था, ताकि नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज लाने और भारत की आजादी के जश्न के हिस्से के तौर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। यह अभियान इस सोच पर आधारित था कि राष्ट्रीय ध्वज के साथ लोगों का रिश्ता पारंपरिक रूप से ज्यादा औपचारिक और संस्थागत रहा है, न कि राष्ट्रीय गौरव की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के रूप में। नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज घर लाने के लिए प्रोत्साहित करके, इस पहल का मकसद तिरंगे को देश के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रतीक बनाना था, साथ ही यह राष्ट्र–निर्माण और राष्ट्रीय एकता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

स्वास्थ्य से ऊपर कारोबारी हित नहीं

पैकेज्ड फूड लेबलिंग पर सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैकेज्ड खाद्य उत्पादों पर फ्रंट–ऑफ–पैक चेतावनी लेबल लागू करने में देरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, खासकर बच्चों के स्वास्थ्य से समझौता नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सख्त पोषण संबंधी चेतावनियां लागू करने को लेकर केंद्र की अनिच्छा पर सवाल उठाए। पीठ ने कहा कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो वह इस मामले में आगे के आदेश जारी करेगी। अदालत ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल को अपने निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। पीठ ने कहा, हम नागरिकों के स्वास्थ्य, खासकर बढ़ते बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। अदालत ने एफएसएसएआई से भी पूछा कि क्या वह चाहती है कि देश के लोग, विशेष रूप से बढ़ते बच्चे, स्वस्थ न रहें। साथ ही अदालत ने अब तक उठाए गए कदमों का ब्योरा मांगा और यह भी सवाल किया कि क्या सरकार कॉरपोरेट हितों के दबाव में आ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उपभोक्ता आम तौर पर जानते हैं कि पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में चीनी, वसा और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। लेकिन पैकेट के सामने स्पष्ट चेतावनी होने से उन्हें उत्पाद खरीदने से पहले सोच–समझकर फैसला लेने में मदद मिलेगी। चेतावनी लेबल से निर्माताओं के कारोबार को नुकसान पहुंचने की चिंता को अदालत ने खारिज कर दिया। उसने कहा कि किसी उत्पाद को खरीदना है या नहीं, इसका अंतिम फैसला उपभोक्ताओं का है। अदालत ने स्पष्ट किया कि व्यावसायिक हितों को सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्राथमिकता नहीं दी जा सकती।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मामला नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा है और ऐसे मामलों में निर्माता नीति तय नहीं कर सकते। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी खास उत्पाद को निशाना बनाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ताओं को इस बात की पूरी जानकारी हो कि वे क्या खा रहे हैं। इससे पहले हुई सुनवाई में केंद्र ने कहा था कि पैकेजिंग और पोषण संबंधी चेतावनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यवस्था करने में व्यावहारिक चुनौतियां हैं। हालांकि, अदालत ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि भारत मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों में देरी के लिए विदेशी मानकों को आधार नहीं बना सकता। अदालत ने कहा कि भारत को अपने नागरिकों, खासकर बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए और कमजोर नियामकीय उपायों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को अपना जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है।

लोगों को बोलने से रोका जा रहा, हमारा काम आवाज बुलंद करना है–राहुल

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर लोगों को अपनी बात रखने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रही उत्तराखंड की एक महिला का जिक्र किया। राहुल ने कहा कि सरकार व्यवस्था लागू करना चाहती है, जबकि कांग्रेस का काम भारत को अपनी बात कहने का अवसर देना है। राहुल गांधी ने कहा कि जंतर–मंतर पर छात्र अपनी बात रखना चाहते थे। उनके मुताबिक, छात्र परेशान थे और अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से यह कहा जाता है कि जंतर–मंतर पर

व्यवस्था बनाई जाएगी और लोगों को अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। राहुल गांधी ने एक महिला का जिक्र करते हुए कहा कि वह कार्यक्रम में उनसे मिली थीं। उन्होंने बताया कि महिला की बेटी के साथ चार साल पहले उत्तराखंड में दुष्कर्म हुआ और उसकी हत्या कर दी गई थी। राहुल के अनुसार, महिला रो रही थी और अपनी बात रखना चाहती थी, लेकिन व्यवस्था की ओर से उसे भी अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा रही थी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार और उसकी राजनीतिक विचारधारा भारत पर एक ऐसी व्यवस्था थोपना चाहती है, जो सरकार और कुछ अन्य लोगों के हित में हो। उन्होंने कहा कि सरकार का काम देश में एक व्यवस्था लागू करना है, जबकि उनका काम भारत को अपनी बात रखने का अवसर देना और उस व्यवस्था को तोड़ना है।

संघ ने तिरंगे की जगह भगवा ध्वज क्यों चुना? : प्रियांक खरगे

बंगलूरू (एजेंसी)। भाजपा के हर घर तिरंगा अभियान पर कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने सवाल उठाए हैं। खरगे ने कहा कि भाजपा को अपना हर घर तिरंगा अभियान संघ मुख्यालय से शुरू करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ के लोग, लोगों को देशभक्ति के सर्टिफिकेट बांटते फिरते हैं, लेकिन इनके जुलूस में तिरंगा नहीं दिखता। प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, श्भाजपा को अपना हर घर तिरंगा अभियान आरएसएस मुख्यालय से शुरू करना चाहिए। आजादी के पांच दशकों से अधिक समय तक आरएसएस ने अपने नागपुर मुख्यालय में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया।

एक नेता के अहंकार और अनुशासनहीनता की भेंट चढ़ गया मानसून सत्र–रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को समाप्त हुआ। इसके बाद से सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने एक–दूसरे पर संसद न चलने देने के आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष पर हमले किए। पटना से सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, मानसून सत्र एक नेता के अहंकार, अनुशासनहीनता और उदंडता की भेंट चढ़ गया। ये बात मैं पूरी जिम्मेदारी से कह रहा हूं। सदन शुरू हुआ तो राहुल गांधी अपनी बहन (सांसद प्रियंका गांधी) के साथ बिना अनुमति लिए प्रधानमंत्री के निवास के गेट पर बैठ गए। राहुल गांधी कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। उनके पिता, दादी, परनाना प्रधानमंत्री रहे हैं,

तो प्रधानमंत्री निवास की क्या पवित्रता होती है, उन्हें मालूम है। सुरक्षा पर इसका असर होता है, ये भी उन्हें मालूम है। जाके वहां बैठ गए।

भाजपा नेता ने आगे कहा, जब गृह सचिव वहां गए और केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह वहां गए तो बातचीत हुई, तो उन्होंने कहा कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। बातचीत के लिए तैयार हैं। जब उन्होंने (पीएम मोदी) कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, तो उन्होंने कहा कि हमें (शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का) इस्तीफा चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी पर अपने गोल पोस्ट बदलने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने भी संसद का कामकाज बाधित होने को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, मैंने सुबह भी यह बात कही थी और अब फिर कह रहा हूं। एक अहंकारी और जिद्दी नेता की वजह से पूरा महीना मजाक बनकर रह गया। उन्होंने संसद में बंदर लाने को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वे संसद में बंदर ला रहे हैं। क्या यह बंदरों की टीम है? क्या वे मनोरंजन करने वाले हैं? कांग्रेस को इतनी गिरावट पर शर्म आनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि कोई भी सांसद मनोरंजन करने वाला नहीं हो सकता। लेकिन कांग्रेस ने संसद में बंदर लाकर सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस संसद को चलने नहीं देना चाहती। उन्होंने कहा, मैंने सुबह भी कहा था और अब फिर कह रहा हूं कि एक व्यक्ति के घमंड और जिद की वजह से, उसकी गलतफहमी और भ्रम के कारण जनता के सैकड़ों करोड़ रुपये बर्बाद हुए हैं।

क्षेत्राधिकार के अभाव में ट्रेड्समैन मेट भर्ती से जुड़ी याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नौ फील्ड ऑर्डिनेंस डिपो, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में ट्रेड्समैन मेट पद पर नियुक्ति रद्द किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका क्षेत्राधिकार के अभाव में खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नौ फील्ड ऑर्डिनेंस डिपो, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में ट्रेड्समैन मेट पद पर नियुक्ति रद्द

किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका क्षेत्राधिकार के अभाव में खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने यह आदेश यादवेंद्र सिंह की याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने ट्रेड्समैन मेट (पूर्व में मजदूर) पद के लिए आवेदन किया था। चयन प्रक्रिया के सभी चरणों में सफल रहा था।

हालांकि, उसके खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के आधार पर उम्मीदवारी रद्द कर नियुक्ति पत्र वापस ले लिया गया। उसने 15 जून 2017 के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। भारत सरकार की ओर से प्रारंभिक आपत्ति में कहा गया कि विवादित आदेश पारित करने वाला प्राधिकरण हिमाचल प्रदेश में स्थित है। ऐसे में केवल याचिकाकर्ता के उत्तर प्रदेश में निवास करने के आधार पर इलाहाबाद हाईकोर्ट को सुनवाई का अधिकार नहीं है।

तिरंगा यात्रा निकालकर अमर शहीदों को याद किया

प्रयागराज। भाजपा मंडल के पदाधिकारियों ने बुधवार को चिरैया मोड़ से सिरसा मंडल अध्यक्ष राणा सेठ के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान

भाजपा नेता बीना मिश्रा ने कहा कि इस देश को आजाद कराने में पता नहीं कितने क्रांतिकारी अमर शहीद हो गए थे। तब जाकर अंग्रेजी हुकूमत को भगाया जा सका था। तिरंगा यात्रा चिरैया मोड़ से शुरू होकर डोरवा मोड़ तक निकाली गई। यात्रा में उरुवा मंडल के अध्यक्ष आशीष पटेल, पदाधिकारी और कार्यकर्ता आदि शामिल रहे।

बलिदानी क्रांतिकारियों और महापुरुषों को नमन किया

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी गंगापार के मंडल सहसों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा श्रीराम जानकी मंदिर से शुरू होकर गोल चौराहा होते हुए लाला बाजार पहुंची और वापस श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचकर समाप्त हो गई। समापन के बाद भाजपा के जिला महामंत्री अनिरुद्ध सिंह पटेल, फूलपुर ब्लॉक प्रमुख विपेंद्र सिंह पटेल और सहसों ब्लॉक प्रमुख गीता सिंह ने देश के शहीद वीर सपूतों, बलिदानी क्रांतिकारियों और महापुरुषों को नमन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और व्यापारियों को संबोधित करते हुए देश की एकता एवं अखंडता के लिए समर्पित रहने का आह्वान किया। इस दौरान रमेश कुमार द्विवेदी, संदीप द्विवेदी, मंडल उपाध्यक्ष संजय सिंह, राजधर द्विवेदी, भूपेंद्र मिश्रा आदि मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

प्रयागराज। भाजपा मंडल मांडा की ओर से बुधवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा खवास का तारा स्थित जल निगम परिसर से शुरू होकर मांडा खास बैरियर तक पहुंची। यात्रा में कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ सहभागिता की। मंडल अध्यक्ष लीलावती गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित यात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद राजेश्वरी तिवारी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक सिंह, अरुण उर्फ पप्पू सिंह, मांडवी शरण द्विवेदी, रामबली मौर्य आदि मौजूद रहे।

बारिश से दलदल सड़क, जलभराव से आवागमन दुश्वार

प्रयागराज। कहली–कुशहरा गांव की पटेल बस्ती को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग बारिश होते ही दलदल में तब्दील हो जाता है। जलभराव और कीचड़ से ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया है। स्कूली बच्चों को भी इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है, जिससे फिसलकर गिरने और चोटिल होने का खतरा बना रहता है। ग्रामीण श्याम बहादुर पटेल, राम प्रकाश पटेल, धर्मेंद्र कुमार पटेल और लालजी पटेल ने बताया कि जलभराव के कारण पैदल चलना मुश्किल है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों से करीब एक किलोमीटर कच्चे संपर्क मार्ग को पक्की सड़क में तब्दील कराने की मांग की है। ग्रामीण राम अवतार गुप्ता, संतोष कुमार गुप्ता, सुखदेव यादव और बिदां सिंह पटेल ने बताया कि संपर्क मार्ग की हालत लंबे समय से खराब है। बारिश में पानी और कीचड़ जमा होने से आवागमन मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि नाली क्षतिग्रस्त होने से बारिश का पानी सड़क पर जमा हो जाता है और खड़ंजा भी खराब हो रहा है।

हादसे में घायल ईंट-भट्ठा मजदूर की इलाज के दौरान मौत

प्रयागराज। लखनऊ नेशनल हाईवे पर रेरुआ गांव के पास छह जुलाई को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल ईंट भट्ठा मजदूर भोंदू सरोज (52) की इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार रात को डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के रघुवंशपुर उर्फ रेरुआ की है। रघुवंशपुर उर्फ रेरुआ गांव निवासी भोंदू छह जुलाई की रात करीब नौ बजे बेरावां रोड से सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान लखनऊ नेशनल हाईवे पर रेरुआ स्थित काली माता मंदिर के पास तेज रफ्तार दोपहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

गैर-संज्ञेय अपराध में पुलिस चार्जशीट पर लिया संज्ञान रद्द, न्यायिक प्रक्रिया का पालन जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैर–संज्ञेय अपराधों से जुड़े मामलों में पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस की चार्जशीट को राज्य सरकार का मुकदमा नहीं, बल्कि शिकायत केस माना जाना चाहिए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैर–संज्ञेय अपराधों से जुड़े मामलों में पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस की चार्जशीट को राज्य सरकार का मुकदमा नहीं, बल्कि शिकायत केस माना जाना चाहिए। इस प्रक्रिया का पालन किए बिना लिया गया संज्ञान कानूनन सही नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने कौशाम्बी के संदीपनघाट थाना

क्षेत्र के मामले में शिव नरेश की याचिका पर दिया।

आरोपी के खिलाफ धमकी, मारपीट, अपमान करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। पुलिस ने 29 दिसंबर 2025 को चार्जशीट दाखिल की। इसके बाद ग्राम न्यायालय चायल के न्यायाधिकारी ने 19 फरवरी 2026 को संज्ञान लेते हुए आरोपी को समन जारी किया। आरोपी की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि सभी धाराएं गैर–संज्ञेय हैं। इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 2(1)(एच) के तहत पुलिस रिपोर्ट को शिकायत माना जाना चाहिए था। हाईकोर्ट ने दलील स्वीकार करते हुए संज्ञान आदेश रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पुलिस रिपोर्ट दाखिल करने वाले जांच अधिकारी को शिकायतकर्ता माना जाएगा। हालांकि, अदालत ने नियमानुसार मामले को शिकायत केस के रूप में आगे बढ़ाने की छूट दी है।

एटीएम बूथ में ग्राहकों के रुपये फंसाकर ठगी करने वाले आरोपी को पकड़ा, मिले 28 डेबिट कार्ड

प्रयागराज। बिना गार्ड वाले एटीएम बूथों को निशाना बनाकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के कथित सरगना तोएफ खान उर्फ शोएब उर्फ मियां (23) को सिविल लाइंस पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

बिना गार्ड वाले एटीएम बूथों को निशाना बनाकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के कथित सरगना तोएफ खान उर्फ शोएब उर्फ मियां (23) को सिविल लाइंस पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मूलरूप से प्रतापगढ़ के लीलापुर थाने के बुझवा गांव आरोपी के कब्जे से पुलिस ने दफ्तियां बरामद की हैं। इसके अलावा प्लास, पेचकस, दो मोबाइल फोन, आधार कार्ड की रंगीन फोटो कॉपी और घटना में प्रयुक्त कार भी मिली है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी और उसके साथी अलग–अलग बैंकों के 28 डेबिट कार्ड, एटीएम हेल्पलाइन नंबर लिखे नौ विजिटिंग कार्ड और कैश निकलने वाली जगह पर लगाने वाली तीन प्लास्टिक की शहरों में ऐसे एटीएम बूथों की तलाश करते थे, जहां सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं होते थे। इसके बाद बूथ के आसपास रहकर ग्राहक के आने का इंतजार किया जाता था। ग्राहक के एटीएम में प्रवेश करने के बाद आरोपी भी उसके पीछे बूथ में पहुंच जाता था। कैश निकलने वाली जगह पर पहले से तैयार प्लास्टिक की दफ्ती लगा देता था। इसके कारण एटीएम से निकली रकम बाहर आने के बजाय उसी में फंस जाती थी।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि एटीएम बूथ में अपना मोबाइल नंबर हेल्पलाइन नंबर के रूप में चस्पा कर देता था। मशीन में रुपये फंसने के बाद ग्राहक जब एटीएम बूथ पर दिए गए नंबर पर फोन करता तो आरोपी खुद ही फोन उठाता। बैंक के कस्टमर केयर कर्मचारी के तौर पर बात कर डेबिट कार्ड का पिन पूछ लेता था। जानकारी के बाद आरोपी डेबिट कार्ड और खाते से संबंधित धोखाधड़ी को अंजाम देता था।

गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश

आरोपी के खिलाफ 2024 में फतेहपुर के थरियांव और 2025 में गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

माफिया अतीक के करीबियों से जुड़ी बेनामी संपत्तियों की जांच कर सात दिन में मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के करीबियों से जुड़ी बताई जा रही कथित बेनामी संपत्तियों की जांच अब पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम करेगी। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के करीबियों से जुड़ी बताई जा रही कथित बेनामी संपत्तियों की जांच अब पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम करेगी। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मौजा शाह उर्फ पीपलगांव और दानूपुर में अनुसूचित जाति के लोगों की संपत्तियों को कथित तौर पर दूसरे के नाम दर्ज कराए जाने और बाद में उनके क्रय–विक्रय के आरोपों की जांच के लिए

टीम गठित की गई है।

उप–जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र के मुताबिक चक निरातुल निवासी राजीव नागर के नाम पर इन क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के व्यक्तियों की संपत्तियां कथित तौर पर बेनामी रूप से लिखवाए जाने का उल्लेख किया गया है। आरोप यह भी है कि इन संपत्तियों का क्रय–विक्रय कर धन अतीक के कथित गुर्गों और रिश्तेदारों के माध्यम से संबंधित लोगों तक पहुंचाया जाता रहा। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। जांच के लिए नायब तहसीलदार दक्षिणी सदर पीयूष कुशवाहा को टीम में शामिल किया गया है। उनके अलावा एयरपोर्ट थाने के प्रभारी निरीक्षक, राजस्व निरीक्षक अमर सिंह, शाह उर्फ पीपलगांव और दानूपुर क्षेत्र के संबंधित लेखपालों को जांच टीम का हिस्सा बनाया गया है।

अधिवक्ता की चोरी हुई गाड़ी के मामले में पुलिस कमिश्नर से जवाब तलब, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता सुनील चौधरी की वर्ष 2015 में चोरीक हुई गाड़ी के मामले में पुलिस कमिश्नर प्रयागराज से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जांच की कार्रवाई के परिणाम की जानकारी देने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई के लिए 20 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता सुनील चौधरी की वर्ष 2015 में चोरीक हुई गाड़ी के मामले में पुलिस कमिश्नर प्रयागराज से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जांच की कार्रवाई के परिणाम की जानकारी देने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई के लिए 20 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है।

अधिवक्ता सुनील चौधरी ने वर्ष 2015 में अपनी गाड़ी चोरी होने के बाद थाना शाहगंज, प्रयागराज में एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमे तीन महीने के बाद पुलिस ने एफ आर लगा दिया था । बाद में पुलिस अभिलेखों में उक्त वाहन की बरामदगी थाना दारागंज में दर्शाई गई, लेकिन याची के अनुसार उन्हें वाहन की बरामदगी या उसके संबंध में की गई आगे की कार्रवाई की जानकारी नहीं दी गई और वाहन को नीलाम कर दिया गया। कोरोना काल में ई परिवहन पर गाड़ी ट्रांसफर की जानकारी मिलने पर एडीजी को प्रार्थना पत्र कार्यवाही के लिए दिया।

मामले को लेकर अधिवक्ता सुनील चौधरी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्वयं व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर याचिका दाखिल की और प्रार्थना की कि चोरी हुई गाड़ी के मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा उन्हें वाहन की क्षतिपूर्ति या नई गाड़ी दिलाए जाने के साथ–साथ उचित मुआवजा भी प्रदान किया जाए।

हाईकोर्ट के निर्देश पर मामले की जांच कराई गई। दाखिल की गई अनुपालन आख्या में तीन पुलिसकर्मियों की लापरवाही पाए जाने का उल्लेख किया गया। हालांकि याची का कहना है कि जांच में लापरवाही पाए जाने के बावजूद उनकी गाड़ी आज तक उन्हें प्राप्त नहीं हुई और न ही उन्हें यह स्पष्ट जानकारी दी गई कि दोषी पाए गए पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय स्तर पर क्या अंतिम कार्रवाई की गई।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया एवम न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ के समक्ष हुई। न्यायालय ने पाया कि पुलिस की ओर से दाखिल अनुपालन हलफनामे के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज द्वारा नौ मई 2022 को पुलिस मुख्यालय, लखनऊ के अधिकारियों को भेजा गया पत्र संलग्न है, जिसमें मामले के संबंध में रिपोर्ट दी गई है, लेकिन जिला अधिकारियों द्वारा अंतिम रूप से क्या निर्णय लिया गया और कार्यवाही का क्या परिणाम निकला, यह रिकॉर्ड पर स्पष्ट नहीं है।

26 से 31 अगस्त तक चलेंगी अतिरिक्त बसें, रोडवेज कर्मियों की छुट्टियां रद्द

प्रयागराज। रक्षाबंधन के मद्देनजर 26 से 31 अगस्त तक रोडवेज बसों का विशेष संचालन किया जाएगा। इसके तहत प्रयागराज से लखनऊ, कानपुर और अन्य प्रमुख रूटों पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। रक्षाबंधन के मद्देनजर 26 से 31 अगस्त तक रोडवेज बसों का विशेष संचालन किया जाएगा। इसके तहत प्रयागराज से लखनऊ, कानपुर और अन्य प्रमुख रूटों पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इस दौरान कर्मचारियों की

छुट्टियां निरस्त रहेंगी। चालकों और परिचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तय बस अड्डों के अलावा मार्ग में मिलने वाले स्टॉपेज और संकेत देने वाले यात्रियों को भी बस में बैठाकर गंतव्य तक पहुंचाएं। कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए छह दिनों में लगातार ड्यूटी कर 1800 किमी का सफर तय करने वाले चालकों और परिचालकों को 1,200 रुपये का एकमुश्त प्रोत्साहन दिया जाएगा, तथा इससे अधिक दूरी पर 55 पैसे प्रति किमी की दर से अतिरिक्त भुगतान मिलेगा। कार्यशाला के तकनीकी कर्मचारियों को भी प्रतिदिन उपस्थिति पर 500 रुपये का इंसेंटिव प्रदान किया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार ने बताया कि प्रयागराज रीजन से संचालित सभी बसों की निगरानी की जाएगी।

कोयंबटूर का सफर होगा आसान, सप्ताह में एक दिन चलेगी अमृत भारत

प्रयागराज। रेलवे प्रशासन ने धनबाद से कोयंबटूर के बीच चलने वाली साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस की समय सारिणी और ट्रेन नंबर जारी कर दिए हैं। नियमित संचालन की तिथि का एलान जल्द ही किया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने धनबाद से कोयंबटूर के बीच चलने वाली साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस की समय सारिणी और ट्रेन नंबर जारी कर दिए हैं। नियमित संचालन की तिथि का एलान जल्द ही किया जाएगा। इस नई

ट्रेन के संचालन से प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को पहली बार कोयंबटूर के लिए सीधी ट्रेन की सौगात मिलेगी।

नई साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस (22363/64) प्रयागराज छिवकी के रास्ते चलेगी। ट्रेन का ठहराव मिर्जापुर स्टेशन पर भी निर्धारित किया गया है। गाड़ी संख्या 22363 अमृत भारत एक्सप्रेस हर शनिवार शाम 4रू10 बजे धनबाद से प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए सोमवार शाम 6रू30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी। वापसी दिशा में 22364 अमृत भारत हर मंगलवार को सुबह 07रू50 बजे कोयंबटूर से रवाना होकर बृहस्पतिवार दोपहर 01रू00 बजे धनबाद पहुंचेगी। ट्रेन 22 कोचों से सुसज्जित होगी। इसमें आठ स्लीपर कोच, 12 द्वितीय साधारण कोच, एक पेंट्रीकार और एक एसएलआर कोच रहेगा। ट्रेन का नेताजी सुभाषचंद्र बोस गोमोह, गया, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, बल्हारशाह, विजयवाड़ा, गुडूर, काटपाडी और सेलम आदि स्टेशन पर ठहराव रहेगा। एनसीआर के सीपीआरओ डॉ. शिवम शर्मा का कहना है कि जल्द ही इसके संचालन की तिथि घोषित हो जाएगी।

भड़ेवरा में निकाली गई तिरंगा यात्रा

प्रयागराज। हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को मंडल अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में भड़ेवरा भाजपा मंडल ने तिरंगा यात्रा निकाली। ने किया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख करछना प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने लोगों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की। मौके पर मंडल अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी, प्रधानाचार्य संतोष शुक्ल और राजेश धनगर आदि रहे। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपा मंडल भड़ेवरा की ओर से बुधवार को विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी ने किया।

यात्रा अमर शहीद गिरीश कुमार शुक्ल स्मारक गुरुकुलम

पब्लिक स्कूल हनुमानपुर से शुरू हुई। हाथों में तिरंगा लिए भाजपाई कार्यकर्ता भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष करते हुए करछना–कोहडारघाट राजमार्ग होते हुए भड़ेवरा बाजार से गुजरे और लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज धरवारा स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर समाप्त हुई।

भड़ेवरा बाजार में व्यापारियों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा में ब्लॉक प्रमुख करछना प्रतिनिधि व भाजपा नेता कमलेश द्विवेदी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रकाश डालते हुए लोगों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की।

मंडल अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी ने लोगों में तिरंगा वितरित किया। लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. संतोष शुक्ल ने यात्रा में शामिल सभी लोगों का स्वागत किया। इस अवसर पर मंडल प्रभारी राजेश धनगर, पूजा बिंद, एडवोकेट नरेश कुमार सोनकर, कपिल तिवारी, अंकित शर्मा, विजय शंकर तिवारी, लक्ष्मी शंकर पांडेय, प्रमोद तिवारी, वंदना तिवारी, कल्पना तिवारी, रामबाबू पटेल, कृपाशंकर तिवारी, प्रकाश नारायण द्विवेदी, राजेश पांडेय, विकास पांडेय, कमलेश साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज भारद्वाज पार्क से सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड्स के अधिकारियों और जवानों के साथ तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होकर राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश दिया।

शहर समता विचार मंच की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता आदरणीय सीमा वर्णिका जी ने की। रचना सक्सेना जी मुख्य अतिथि तथा उमेश श्रीवास्तव जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। साधना खरे जी ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भक्तिमय वातावरण प्रदान किया। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा 'प्रीति' ने कुशलतापूर्वक किया। गोष्ठी में अफ़रोज़ अज़ीज़, शशि जायसवाल, अनीता दुबे, आशा जाकड़, रेणुका चौधरी, मनोरमा श्रीवास्तव, मीना कुमारी, मंजू लता नागेश, अनुराधा गर्ग एवं शोभा त्रिपाठी सहित रचनाकार बहनों ने देशभक्ति से ओत–प्रोत अपनी सुंदर रचनाओं की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर आयोजन में चार चाँद लगा दिए। सभी रचनाकारों की प्रस्तुतियों ने स्वतंत्रता दिवस के गौरव, राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना को सशक्त स्वर प्रदान किया। अतिथियों ने भी आयोजन की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में उमा मिश्रा 'प्रीति' ने सभी अतिथियों, रचनाकारों एवं उपस्थित साहित्यप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस प्रकार साहित्य, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता से ओत–प्रोत यह काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

अग्रसेन महाराज जी की मूर्ति की साफ सफाई की गई

प्रयागराज। आज भारतीय जनता पार्टी महानगर के निर्देशानुसार चौक मंडल स्थित अग्रसेन चौराहे पर अग्रसेन महाराज जी की मूर्ति साफ सफाई स्वच्छता अभियान के तहत

कार्य चौक मंडल के द्वारा किया गया उपस्थित महानगर के पूर्व महामंत्री नवरत्न कत्याल जी मंडल के अध्यक्ष सुमित वैश्य जी मंडल महामंत्री मन मोहन मिश्रा बचपन गुप्ता वार्ड अध्यक्ष अनूप अग्रवाल मंडल उपाध्यक्ष अनूप मिश्रा मंडल मंत्री शिवानी केसरवानी आयुष पांडे रेनू चौरसिया श्याम जी अग्रवाल कृष्ण कुमार गुप्ता अरुण कुमार महेश कुमार संजीव राम जी हेला अनिल कुमार सभी लोग उपस्थित रहे।

राजस्व वादों के निस्तारण को रफ्तार, लाखों मामलों का निपटारा

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की त्वरित न्याय और जनसमस्याओं के प्रभावी निस्तारण की नीति के तहत राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण की प्रक्रिया को लगातार तेज किया जा रहा है। शासन स्तर से की जा रही नियमित मॉनिटरिंग और विशेष अभियानों का असर राजस्व वादों के निस्तारण के आंकड़ों में दिखाई दे रहा है।सीमांकन पैमाइश से संबंधित धारा–24 के तहत 31 दिसंबर 2025 तक 28,556 वाद विचाराधीन थे। 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 तक 91,472 नए वाद आए, जिनमें से 39,645 वादों का निस्तारण किया गया। वर्तमान में 80,383 वाद विचाराधीन हैं। पांच वर्ष से अधिक पुराने लंबित वादों की संख्या महज 24 है। धारा–24 के तहत सबसे अधिक विचाराधीन वादों वाले जिलों में प्रयागराज, प्रतापगढ़, लखनऊ, अमेठी और मथुरा शामिल हैं। नामांतरण दाखिल–खारिज से संबंधित धारा–34 में भी बड़े स्तर पर निस्तारण किया गया। 31 दिसंबर 2025 तक 48,910 वाद विचाराधीन थे। 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 के बीच 14,70,133 वाद आयोजित हुए, जिनमें से 10,96,814 वादों का निस्तारण किया गया। वहीं, 45 दिन से अधिक अवधि से लंबित नामांतरण वादों के निस्तारण के लिए 15 से 25 जून 2026 तक चलाए गए।

आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, डिजिटल कुम्भ और रिवर फ्रंट परियोजनाओं को लेकर महापौर गणेश केसरवानी की श्री श्री रविशंकर से महत्वपूर्ण मुलाकात

प्रयागराज के विकास को नई ऊंचाई देने की पहल–आध्यात्मिक विरासत, आधुनिक तकनीक और गंगा तट के समग्र विकास पर द आर्ट ऑफ लिविंग ने दिखाई रुचि

बेंगलुरु। प्रयागराज को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं आधुनिक विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महापौर गणेश केसरवानी ने एक महत्वपूर्ण पहल की। बेंगलुरु स्थित द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक एवं आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर जी तथा चेयरमैन एस.एस.आर.पी.एल. श्री प्रसन्ना प्रभु जी से महापौर ने मुलाकात कर प्रयागराज से जुड़ी विभिन्न व्यापक एवं महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की साथ में अपर नगर आयुक्त अरविंद राय भी रहे।

मुलाकात के दौरान विशेष रूप से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, डिजिटल कुम्भ, रिवर फ्रंट सहित प्रयागराज के समग्र एवं बहुआयामी विकास से संबंधित प्रस्तावों पर विचार–विमर्श हुआ। महापौर गणेश केसरवानी ने प्रयागराज की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि संगम नगरी केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में यहां होने वाले विकास कार्यों का उद्देश्य आधुनिक सुविधाओं के साथ–साथ शहर की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और अधिक मजबूत करना होना चाहिए।

आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की परिकल्पना पर विशेष चर्चा

बैठक में आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की परिकल्पना को लेकर विशेष चर्चा हुई। इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा, योग, ध्यान, भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं जीवन मूल्यों को आधुनिक शिक्षा और शोध के साथ जोड़ना है।

महापौर ने कहा कि प्रयागराज जैसे आध्यात्मिक नगर में ऐसा संस्थान देश–विदेश के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आध्यात्मिक जिज्ञासुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे प्रयागराज की पहचान एक वैश्विक आध्यात्मिक एवं ज्ञान नगरी के रूप में और सुदृढ़ होगी।

डिजिटल कुम्भ से वैश्विक स्तर पर जुड़ेगा प्रयागराज

बैठक में डिजिटल कुम्भ की संभावनाओं पर भी व्यापक चर्चा हुई। महापौर की पहल का उद्देश्य आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से कुम्भ एवं प्रयागराज की आध्यात्मिक विरासत को देश–दुनिया के करोड़ों लोगों तक पहुंचाना है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म, आधुनिक तकनीक, वर्चुअल अनुभव, सूचना प्रबंधन और श्रद्धालुओं के लिए स्मार्ट

सुविधाओं के माध्यम से कुम्भ की व्यापकता को नई दिशा दी जा सकती है। इससे प्रयागराज को भविष्य के डिजिटल और स्मार्ट आध्यात्मिक शहर के रूप में विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

रिवर फ्रंट से गंगा तट का होगा समग्र विकास

मुलाकात के दौरान रिवर फ्रंट परियोजना को लेकर भी महत्वपूर्ण विचार–विमर्श हुआ। प्रयागराज की जीवनधारा मां गंगा और यमुना के तटों को स्वच्छ, सुंदर, पर्यावरण–अनुकूल और जनसुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में रिवर फ्रंट को महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में देखा जा रहा है।

महापौर ने कहा कि रिवर फ्रंट का विकास केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित न रहकर पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन, आध्यात्मिक गतिविधियों, जनसुविधाओं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए।

द आर्ट ऑफ लिविंग ने परियोजनाओं में दिखाई रुचि

महापौर गणेश केसरवानी द्वारा रखे गए इन विभिन्न प्रस्तावों और प्रयागराज के विकास की व्यापक कार्ययोजना पर द आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने इन योजनाओं में रुचि दिखाई और संभावित सहयोग एवं सहभागिता के संबंध में आगे विचार करने पर सहमति जताई।

महापौर ने कहा कि सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं, विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी लोगों की सहभागिता से प्रयागराज के विकास को नई गति दी जा सकती है। प्रयागराज की वैश्विक पहचान को और मजबूत करने के लिए सार्वजनिक संस्थाओं के साथ सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठनों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है।

विकसित भारत /2047 की दिशा में प्रयागराज की भूमिका

महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत /2047 के संकल्प को साकार करने में देश के प्रत्येक शहर की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रयागराज अपनी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के कारण इस राष्ट्रीय संकल्प में विशिष्ट योगदान दे सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज को ऐसा आधुनिक शहर बनाया जाना चाहिए, जहां सनातन संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम दिखाई दे। आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, डिजिटल कुम्भ और रिवर फ्रंट जैसी परियोजनाएं इसी सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती हैं।

स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी मिलेगा बढ़ावा

इन परियोजनाओं का प्रभाव केवल पर्यटन एवं आध्यात्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी व्यापक लाभ मिलने की संभावना है। धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन के विस्तार से होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद, छोटे व्यापार और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

महापौर ने कहा कि प्रयागराज के विकास की प्रत्येक योजना का केंद्र जनसुविधा, रोजगार, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना होना चाहिए।

प्रयागराज को वैश्विक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र बनाने की दिशा में कदम

महापौर गणेश केसरवानी की यह पहल प्रयागराज को केवल आधारभूत सुविधाओं से संपन्न शहर बनाने के साथ–साथ उसे विश्वस्तरीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, डिजिटल एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की व्यापक सोच का हिस्सा है।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प के अनुरूप प्रयागराज में पर्यटन, धार्मिक आस्था, तकनीक, निवेश और रोजगार की संभावनाओं को एक साथ जोड़ने की दिशा में इन परियोजनाओं को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

महापौर ने विश्वास व्यक्त किया कि द आर्ट ऑफ लिविंग जैसी प्रतिष्ठित आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्था के सहयोग और विशेषज्ञता से प्रयागराज के विकास की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं को नई दिशा और गति मिल सकती है।

संगम की आध्यात्मिक शक्ति, आधुनिक तकनीक की क्षमता और विकास की नई सोचकृइन्हीं तीनों के समन्वय से प्रयागराज को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महापौर गणेश केसरवानी की यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

काग संदेशा लाते

तुलसी से संवाद परिन्दों का फिर आना।
चूल्हे की मुस्कान बिस्तरों का सज जाना।
कोयल गाए गीत काग संदेशा लाते।
गाँवों का यह दृश्य दिलों को बहुत लुभाते।
अभ्यागत के ही लिए ऐसी प्यारी प्रीत है।
हर पक्षी के बोल में अनुपम स्वागत रीत है।।

बन चरणों की धूल साधु की वाणी बन के।
माटी का हर रंग हर रहा है दुख सब के।
हरियाली के बीज समाकर अपने अन्दर।
गाँवों को खुशहाल बनाती है यह हँसकर।
प्रेम सरलता सादगी रहती जिसकी ठाँव में।
भूल गया मानव इसे बैठ शहर की छाँव में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

प्रयागराज। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश तथा जिला प्रशासन प्रयागराज द्वारा आयोजित तिरंगा रैली 12 अगस्त 2026 को हिंदू हॉस्टल से प्रारंभ होकर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मारक स्थल तक वंदे मातरम तथा भारत माता की जय करते हुए पहुंची। रैली का शुभारंभ सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अनिल कुमार उर्फ़ अन्नू भैया तथा उपनियंतरक ने झंडी दिखाकर किया। अभियान के चौथे दिन तिरंगा यात्रा निर्धारित रास्ते पर तिरंगा जयघोष का नारा लगाते हुए अपने गंतव्य स्थल अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा स्थल गेट नंबर 3 तक पहुँच कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस तिरंगा रैली में भारत स्काउट गाइड के श्री फिरोज़ अहमद खान की टीम ,नागरिक सुरक्षा के उपनियंतरक नीरज मिश्रा की टीम ,संस्कृति विभाग के पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर और क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी राकेश कुमार वर्मा सहित कमांडेंट होमगार्ड के नामित अधिकारी व कर्मचारीगण सम्मिलित रहे । स्काउट गाइड के अध्यापकों और छात्रों सहित सिविल डिफेंस और होमगार्ड कर्मियों से हर घर तिरंगा अभियान के वृहद प्रचार का आह्वान किया तथा पांडुलिपि अधिकारी ने हर घर तिरंगा पोर्टल पर तिरंगा के साथ अधिक से अधिक सेल्फी अपलोड करने की अपील की ।इस कार्यक्रम में सभी ने बड़े हर्षोल्लास व उत्साह पूर्वक भाग लिया तथा देशभक्ति का परिचय देते हुए कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाया । सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन अपने निर्धारित चन्द्र शेखर आज़ाद प्रतिमा स्थल पर सायंकाल 5 बजे प्रारंभ हुआ। इसके अंतर्गत संस्कृति विभाग में पंजीकृत कलाकार प्रतिमा मिश्र लोक गायिका के द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया जिसके बोल

ई तिरंगा हमरे हिन्दू के निसान वा भारत के शान वा ना, मेरे प्राणों से है हमको प्यारा तीन रंग का तिरंगा हमारा,मोरे देश सारे देश से महान मितऊ चाहे भारत कहा चाहे हिन्दूस्तान मितऊ, निपुण भारत के सुन्दर अभियान वा योजना महान वा ना,–परायर्वन के बचावा हो सइया पेड लगावा, सावन की सबको बधाई कि राधा रानी मुलन आई – कजरी

वदरिया बरसे श्याम नहीं आए,नन्ही –2 बुदिया रे सावन का मोरा फूलना थे। प्रतिमा मिश्रा ने देश भक्ति लोक गायन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया इसके अतिरिक्त विभिन्न लोकगीतों की प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी समापन के पूर्व क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी राकेश कुमार वर्मा ने कलाकारों को सम्मानित किया। समापन के पूर्व क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी राकेश कुमार वर्मा ने कलाकारों को सम्मानित किया।

डीएम–एसपी तथा पूर्व डीएम शिव सहाय सहित 10 विशिष्टजनों को प्रतापगढ़ गौरव सम्मान

नागपंचमी पर घुघुरी लोक उत्सव में होगा भव्य सम्मान समारोह

गुड़िया सम्मान हेतु 5 विशिष्ट महिलाओं सहित 6 विशिष्ट नागरिकों को बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में नागपंचमी के अवसर पर 17 अगस्त को आयोजित होने वाले घुघुरी लोक उत्सव में इस वर्ष भी प्रतापगढ़ गौरव सम्मान सहित अमर क्रान्तिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान व गुडिया सम्मान विशिष्ट नागरिकों तथा अधिकारियों को प्रदान किया जाएगा। जनपद के जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय को जन समस्याओं के निस्तारण में जन सुनवाई की प्रभावी भूमिका हेतु तथा पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर को बेहतर कानून व्यवस्था व निष्पक्ष भूमिका हेतु प्रतापगढ़ गौरव सम्मान से विभूषित किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम के महासचिव व प्रतापगढ़ गौरव सम्मान आयोजन समिति के सचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया कि पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़ शिव सहाय अवस्थी को जनपद के विकास में सतत सराहनीय योगदान हेतु प्रतापगढ़ गौरव सम्मान से विभूषित किया जाएगा। वहीं वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार सुनील प्रभाकर को साहित्य व काव्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु, रमेश त्रिपाठी वरिष्ठ पत्रकार, दैनिक जागरण प्रतापगढ़ को निष्पक्ष पत्रकारिता हेतु, श्रीमती जया मोहन श्रीवास्तव, पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ को

कथा व्यास व सिद्ध संत को अध्यात्म व धर्म जागरण हेतु तथा शैलेंद्र मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षाविद् को निष्पक्ष पत्रकारिता हेतु प्रतापगढ़ गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाना सर्वसम्मति से समिति द्वारा तय किया गया।

संयोजक समाज शेखर ने बताया कि इस अवसर पर समाज में जीवनपर्यन्त उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट नागरिकों को अमर क्रान्तिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार अमर उजाला हरकेश बहादुर सिंह, जांबाज हिन्दुस्तानी सेवा समिति के अध्यक्ष आलोक आजाद, लोक भारती प्रतापगढ़ के संयोजक डी के शर्मा, सुप्रसिद्ध व्यवसायी कटरा गुलाब सिंह दिनेश अग्रहरि तथा होलागढ़ प्रयागराज के अग्रणी किसान राजेन्द्र प्रसाद पटेल शामिल हैं।

नागपंचमी का प्रतिष्ठित गुडिया सम्मान इस वर्ष क्षेत्र व समाज में उल्लेखनीय योगदान हेतु 5 विशिष्ट महिलाओं को दिया जाएगा। जिसमें आकांक्षा सिंह, अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद, सुश्री अंजलि वैश्य, नीट परीक्षा उत्तीर्ण, श्रीमती नीतू गौतम, किसान नेता, डा0 रीता सिंह, टीजीटी की मुख्य परीक्षा में सर्वोच्च स्थान व सुश्री अंशू सिंह, संचालिका ब्यूटी पार्लर व सिलाई केंद्र को गुडिया सम्मान हेतु चयनित किया गया है। 17 अगस्त को भयहरणनाथ धाम में सभी सम्मान समिति के अध्यक्ष पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़ एवं पूर्व आयुक्त आर एस वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित घुघुरी लोक उत्सव में प्रदान किया जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 27/2026 दिनांक: 12.08.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.एम.डी. (₹)
1	192563548	बिजली से चलने वाला विंड स्क्रीन वाइपर	124 सेट	7,73,760/-
2	192566807	मुख्य ट्रांसफार्मर 7775 केवीए	01 नग	2,21,210/-

निविदा खुलने की तिथि: क्र.सं. 1 के लिये- 02.09.2026 और क्र.सं. 2 के लिये- 08.09.2026

नोट: (1) उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। बिडरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित कार्पोरेशियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य विशेष भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1866/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

पैलेट के जख्म

इसमें दो राय नहीं कि किसी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों के किन्हीं परिस्थितियों में उग्र होने और जन–धन की हानि रोकने के लिए पुलिस–प्रशासन को कार्रवाई करनी होती है। इसमें भी दो राय नहीं है कि राज्य के पास हिंसा को रोकने और कानून–व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पर्याप्त शक्तियां हैं। लेकिन प्रश्न इस बात का भी है कि लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध को रोकने के लिए प्रयोग की गई ताकत का स्तर क्या रहा। जाहिर है राष्ट्रविरोधी ताकतों, हिंसक भीड़ तथा छात्रों के आंदोलन को एक ही तौर–तरीके से नहीं निपटा जा सकता है। इसी आलोक में सवाल पैदा होता है कि जंतर–मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या जरूरी थी? क्या उचित तरीके से अधिकृत थी? ऐसा ही विवाद इस आंदोलन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर खड़ा हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शुरुआत से ही पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया। जबकि बाद में जनरल डायरी में यह दर्ज किया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एंटी–रायट गन से दो राउंड फायरिंग की थी। वहीं दूसरी ओर छात्र प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्षी दल सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं। खासकर, कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने गृह मंत्री पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर तीखे प्रहार किए हैं। वे बाकायदा गृह मंत्री के इस्तीफे को लेकर लगातार अभियान चलाते रहे हैं। इसी बीच सूचना के अधिकार के तहत दिल्ली के दो अस्पतालों से एकत्र की गई जानकारी के अनुसार बीस जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम दस लोगों को पैलेट गन से चोट लगी थी। इन अस्पतालों में पैलेट गन से आहत छात्रों ने उपचार कराया था। निस्संदेह, पैलेट गन से घायल होने वालों का यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि यह एक आधिकारिक रिकॉर्ड पर आधारित है, न कि किसी बिना पुष्टि वाले दावों पर आधारित है। दरअसल, पैलेट गन की जद में आये छात्रों के अनुभव परेशान करने वाले रहे हैं। खबरों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों के चेहरों, छाती और आंखों पर चोट आई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एक छात्र की आंख की रोशनी भी जा सकती है। सार्वजनिक विमर्श में सवाल उठाये जाते रहे हैं कि छात्र आंदोलनकारियों के विरुद्ध पैलेट गन का इस्तेमाल करने का तार्किक आधार क्या है। वहीं दूसरी ओर कानून–व्यवस्था बनाये रखने के दौरान मेटल पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में कहा था कि मौजूदा नियमों के तहत विशेष परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे हथियार रखने की कानूनी वैधता और किसी खास घटना में इनके गलत इस्तेमाल के आरोपों के बीच फर्क किया है। निस्संदेह, इस फर्क की सूक्ष्मता से जांच होनी चाहिए। इसके इस्तेमाल के बाद किसी तरह का विवाद न हो, इसलिए स्थिति को साफ करने के लिए पारदर्शिता अपनाना भी बेहद जरूरी है। इससे जुड़े कई तथ्यों को लेकर सावधानी बरती जानी चाहिए, जिसमें गोला–बारूद का पर्याप्त रिकॉर्ड रखना, सीसीटीवी फुटेज, बॉडी कैमरा रिकॉर्डिंग, वायरलेस की बातचीत का रिकॉर्ड और साथ ही मेडिकल रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। साथ ही इन तथ्यों की स्वतंत्र जांच की जानी भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर सरकार का भी दायित्व बनता है कि भीड़ को काबू करने में पैलेट गन के इस्तेमाल से जुड़े तमाम नियम स्पष्ट रूप से बताए जाएं। वहीं दूसरी ओर यदि इनका अंधाधुंध प्रयोग किया गया हो तो इसके लिये जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना भी बेहद जरूरी है। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत में विरोध करने का अधिकार एक घोषित संवैधानिक स्वतंत्रता है। इसकी रक्षा के लिए संयम की जरूरत अपरिहार्य शर्त है। यह दोनों तरफ से जरूरी है– प्रदर्शनकारियों और सरकार की तरफ से। लेकिन विडंबना है कि अक्सर देश में पुलिस व सुरक्षाबल छात्रों के धरनों व प्रदर्शनों के दौरान बात–बात पर निर्ममता से लाठी भांजते नजर आते हैं।

आज़ादी, आंदोलन और युवा भारत

जंतर –मंतर का नाम पिछले 2 महीनों में हमने जितना सुना–देखा उतना तो हमने शायद 10 साल में भी नहीं देखा–सुना। यह लोकतंत्र की खूबसूरती है कि यहां सबको सवाल करने और किसी भी तरह के ग़लत कार्य या नीति का विरोध करने की आज़ादी है और शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि हिंसा, तोड़फोड़ या दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन न तो आंदोलनकारियों के लिए हितकर है और न सत्ता के लिए। यह कृत्य नैतिक शक्ति को कमज़ोर करता है। इस आंदोलन की स्वतंत्रता आंदोलन पत्रकारिता की है। कमोबेश मीडिया की कुछ मुश्किलें और कुछ सीमाएं वहीं हैं । भारत में संविधान का अनुच्छेद 19(1) ए नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, जिसमें प्रेस की स्वतंत्रता भी निहित मानी जाती है, मगर यह स्वतंत्रता पूर्ण नहीं है। संविधान में कुछ उचित प्रतिबंध भी निर्धारित हैं।

आज मीडिया के सामने कई तरह की चुनौतियाँ हैं। राजनीतिक और आर्थिक दबाव, मीडिया संस्थानों का स्वामित्व कुछ बड़े समूहों में केंद्रित होना, विज्ञापन पर निर्भरता, पत्रकारों की सुरक्षा, और सोशल मीडिया पर सूचनाओं का तेज़ प्रसार।

दूसरी ओर, अनेक स्वतंत्र पत्रकार और मीडिया संस्थान आज भी सत्ता और प्रभावशाली लोगों से कठिन सवाल पूछ रहे हैं।

इसलिए असली प्रश्न शायद यह है कि "क्या आज का मीडिया उतनी ही निर्भीकता से जनता के सवालों को उठा पा रहा है, जितनी निर्भीकता से स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में पत्रकारों ने ब्रिटिश सत्ता के सामने सवाल खड़े किए थे?"

और यही इस विषय का सबसे रोचक पहलू है। आज हमें केवल यह नहीं देखना है कि मीडिया अपने बोलने की आज़ादी के साथ क्या कर रही है बल्कि यह भी देखना है कि वह उस आज़ादी का इस्तेमाल कितनी निष्पक्षता, ज़िम्मेदारी और साहस के साथ कर रही है।

स्वतंत्रता आंदोलन की पत्रकारिता ने हमें सिखाया था कि प्रेस का काम केवल सत्ता की आवाज़ बनना नहीं, बल्कि जनता की आवाज़ बनना भी है। आज भी यही उसकी सबसे बड़ी प्रासंगिकता है।

लोकतंत्र में आंदोलन और विरोध अपने–आप में लोकतंत्र की कमज़ोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का संकेत हो सकते हैं और यह इस बात पर निर्भर करता है कि विरोध किस उद्देश्य से, किस तरीके से और किस वातावरण में किया जा रहा है।

लोकतंत्र के लिए आंदोलन क्यों महत्वपूर्ण हैं?

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक जन आंदोलन ने सरकार और समाज का ध्यान उन मुद्दों की ओर खींचा है, जिन्हें शायद सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया में पर्याप्त महत्व न मिले। शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों को यह अवसर देता है कि वे अपनी असहमति व्यक्त करें और सरकार से जवाबदेही की मांग करें।

एक स्वस्थ्य लोकतंत्र में सरकार की आलोचना को देश–विरोध नहीं माना जाना चाहिए। नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार होना चाहिए तथा सरकार को असहमति सुनने और उचित सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

आंदोलनकारियों को भी क़ानून, सार्वजनिक व्यवस्था और दूसरे नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। सबसे ज़रूरी बात आज मीडिया को अपने पुराने रोल में आने की सच है में बहुत ज़रूरत है। मीडिया की भूमिका केवल आंदोलन दिखाने तक सीमित न होकर उसके मुद्दे, तथ्य और दोनों पक्षों को सामने लाने की होनी चाहिए। हालांकि हर आंदोलन लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं हो सकता, इस बात को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। सिर्फ़ भीड़ जुट जाना किसी आंदोलन को लोकतांत्रिक या न्यायपूर्ण नहीं बना देता। यदि विरोध में हिंसा, धमकी, सार्वजनिक संपत्ति को नुक़सान, नफ़रत फैलाना या दूसरों की स्वतंत्रता और अधिकारों को जबरन रोकना शामिल हो जाए, तो वह लोकतांत्रिक विरोध की भावना को नुक़सान पहुँचा सकता है।

इसी तरह, यदि सरकार हर असहमति को दबाने या हर विरोध को ग़लत ठहराने लगे, तो लोकतंत्र कमज़ोर होगा ही ।

फिर असली कसौटी क्या है ?

क्या नागरिक बिना डर अपनी असहमति व्यक्त कर सकते हैं, क्या सत्ता उनकी बात सुनती है, क्या मीडिया स्वतंत्र होकर सवाल पूछता है और क्या विरोध शांतिपूर्ण ढंग से तथा संवैधानिक सीमाओं में रहकर किया जा रहा है?

अगर इन चारों बातों के बीच संतुलन बना रहे, तो आंदोलन लोकतंत्र को कमज़ोर नहीं, बल्कि अधिक जवाबदेह और समृद्ध बना सकते हैं और यही स्वतंत्रता आंदोलन की सबसे बड़ी सीख भी है । आज़ादी केवल सत्ता हासिल करने का नाम नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल पूछने का अधिकार भी तो है।

आख़िर में यही कहना है कि हमें अपने उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। आज के समय में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। आज भारत स्वतंत्र राष्ट्र है, लेकिन स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्श आज भी हमारे लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं। आज़ादी का सही अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। इसका अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक को सम्मान, समान अवसर, शिक्षा, न्याय और अपनी बात कहने का अधिकार मिले।

आज के माहौल में हमें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से यह सीख मिलती है कि हमें अपने अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्य भी याद रखने चाहिए। आज़ादी हमें विरासत में मिली है, लेकिन स्वतंत्रता के मूल्यों की रक्षा करना हमारी ज़िम्मेदारी है। स्वतंत्रता आंदोलन हमें याद दिलाता है कि किसी देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब उसके नागरिक जागरूक, ज़िम्मेदार और एक–दूसरे के अधिकारों का सम्मान करने वाले हों। इसलिए आज के समय में आज़ादी का उत्सव , यह वर्षगांठ केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि वर्तमान को बेहतर बनाने और भविष्य को सही दिशा देने की प्रेरणा भी है।

संगीता 'सुमन'
प्रयागराज उप्र

इस आज़ादी का मतलब देश के भविष्य पूरी दुनिया को अच्छी तरह समझ– समझा रहे हैं। युवा भारत के संदर्भ में जेन ज़ी के विरोध प्रदर्शनों को केवल "गुस्से" या "अराजकता" के रूप में देखना उचित नहीं होगा। इन्हें लोकतंत्र में युवाओं की बढ़ती राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी के रूप में भी देखा जा सकता है। हाल ही में परीक्षा–व्यवस्था, पेपर लीक और शिक्षा–रोजगार जैसे प्रमुख मुद्दों पर युवाओं के आंदोलनों ने इन प्रश्नों को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

जेन ज़ी के आंदोलन हमें क्या बताते हैं?

युवा अब केवल मतदाता नहीं, सवाल पूछने वाले नागरिक भी बनना चाहते हैं। जेन ज़ी के लिए शिक्षा, रोज़गार, पारदर्शिता और अवसर सीधे उनके भविष्य से जुड़े प्रश्न हैंघ। इसलिए जब व्यवस्था में उन्हें अन्याय या अनियमितता दिखाई देती है, तो वे आवाज़ उठाते हैं।

विरोध का माध्यम बदल गया है।

पिछली पीढ़ियों में आंदोलन मुख्यतः सभाओं, जुलूसों और अख़बारों के माध्यम से संगठित होते थे। आज सोशल मीडिया किसी मुद्दे को बहुत तेज़ी से व्यापक जनसमर्थन तक पहुँचा सकता है, लेकिन यही माध्यम ग़लत सूचना और भावनात्मक ध्रुवीकरण का जोख़िम भी पैदा कर सकता है। इसे लोकतंत्र की परीक्षा भी समझना चाहिए। लोकतंत्र केवल चुनाव के दिन वोट देने का नाम नहीं है।

सरकार से प्रश्न पूछना, अपनी असहमति व्यक्त करना और जवाबदेही की मांग करना भी है। इसके साथ ही ये भी याद रखना होगा कि किसी आंदोलन की उम्र या पीढ़ी उसकी वैधता तय नहीं करती। आंदोलन के मुद्दे, तथ्य, उद्देश्य और तरीके महत्वपूर्ण हैं। से एक रोचक समानता भी है। समानता पर बात करने से पहले मेरे ज़हन में एक सवाल आ रहा है , हो सकता है आप सब के पास भी यह सवाल हो कि क्या हमारी युवा पीढ़ी केवल व्यवस्था से नाराज़ है, या वह व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी भी उठाने के लिए तैयार है?" अब बात करें आज के जेन ज़ी और स्वतंत्रता आंदोलन के युवाओं की तो दोनों के बीच परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग हैं, लेकिन एक समानता दिखाई देती है। युवा जब अपने भविष्य से जुड़े प्रश्नों को लेकर जागरूक होते हैं, तो वे समाज में बदलाव की ताक़त बन जाते हैं। यहां फ़र्क इतना है कि उस समय लड़ाई औपनिवेशिक शासन से राजनीतिक स्वतंत्रता की थी और आज की चुनौती स्वतंत्र भारत में व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की है।

हाँ, यह सवाल आज़ादी, आंदोलन और आज के माहौल में उसकी प्रासंगिकता के संदर्भ में भी बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मीडिया और पत्रकारिता ने जन–जागरण में बड़ी भूमिका निभाई थी। उस समय अख़बार केवल समाचार देने का माध्यम नहीं थे, बल्कि वे लोगों में राजनीतिक चेतना और राष्ट्रीय भावना पैदा करने का साधन बने। हिन्दुस्तान, अमृत बाज़ार पत्रिका, बाल गंगाधर तिलक का केसरी, गणेश शंकर विद्यार्थी का प्रताप, तथा महात्मा गांधी के यंग इंडिया और हरिजन जैसे प्रकाशनों ने ब्रिटिश शासन की नीतियों पर सवाल उठाए और जनता को जागरूक किया, लेकिन क्या आज मीडिया आज़ाद है?

मैं चाह कर भी इसका सीधा उत्तर पूरी तरह "हाँ" या "नहीं" में नहीं दे सकती। कारण ये कि कुछ सालों तक मैंने भी

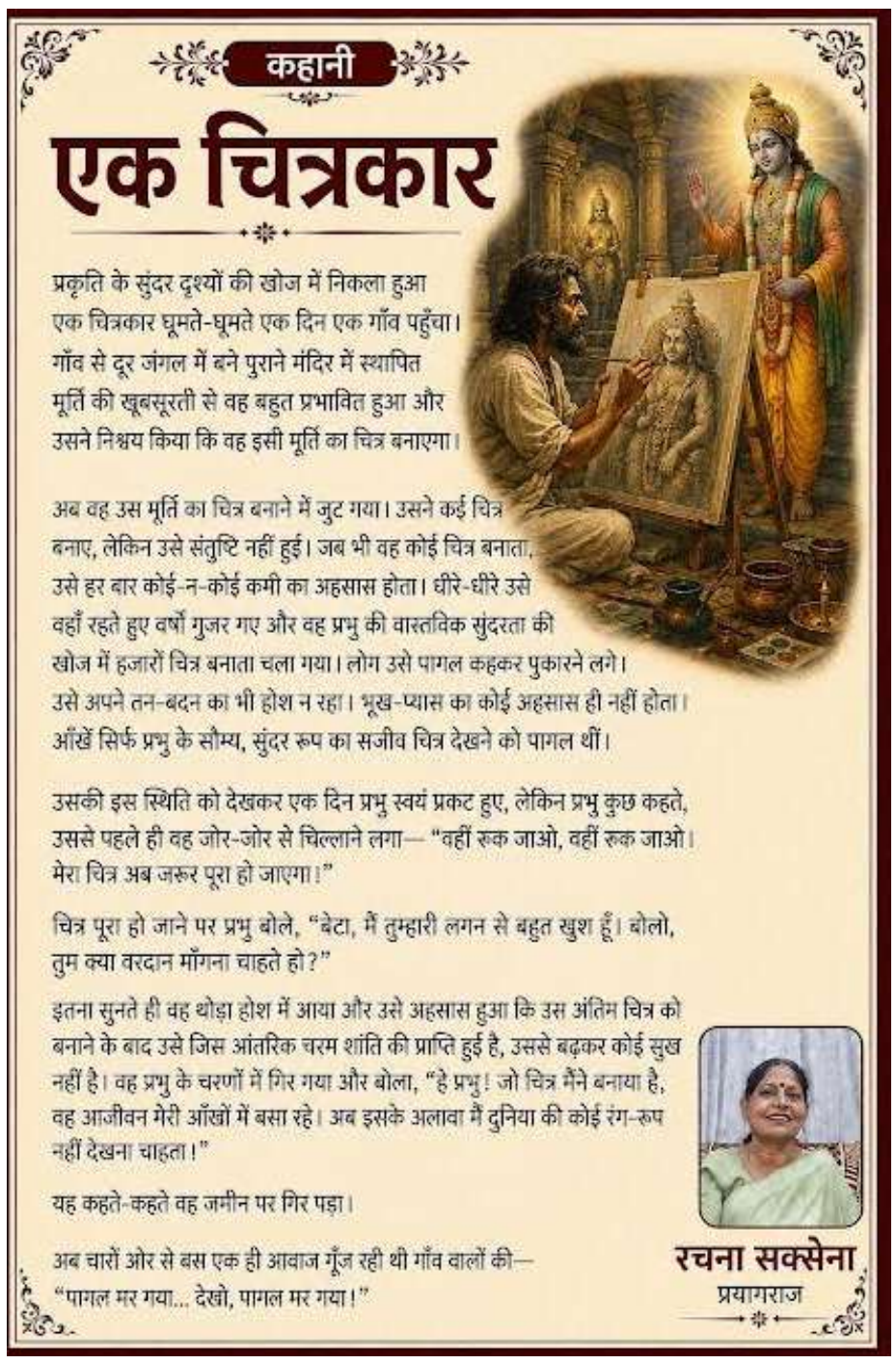

संसद में गतिरोध और सुविधा का लोकतंत्र

संसद के मानसून सत्र को खत्म होने में बस दो दिन बचे हैं। 13 अगस्त को सत्र खत्म हो जाएगा। लेकिन इन तीन हफ्तों में अब तक एक भी दिन ऐसा नहीं बीता जब सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध खत्म हुआ हो। बल्कि मंगलवार को अजीब नजारा देखने मिला जब एनडीए के सांसदों ने भी संसद परिसर में खड़े होकर हंगामा किया और राहुल गांधी से जवाब मांगा। राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं जा रहे, इस पर सवाल उठाया। दरअसल जंतर–मंतर पर हुए सफल छात्र आंदोलन के बाद से सरकार लगातार अपने कदम पीछे हटाने पर मजबूर हो रही है। पहले तो नरेन्द्र मोदी को धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लेना पड़ा। इस बीच झारखंड में भी परीक्षा में गड़बड़ी पर बड़ा छात्र आंदोलन खड़ा हो चुका है, तो भाजपा और उसके साथी दल यहां राहुल गांधी को घेर रहे हैं, उनसे झारखंड पर जवाब मांग रहे हैं। हालांकि राहुल गांधी ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर साफ कहा कि झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने जो कार्रवाई की वह ठीक नहीं है और वे भी इस तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करते हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने बाकायदा आंदोलनकारी छात्रों से फोन पर बात भी की थी। लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि अगर भाजपा राहुल गांधी को कुछ नहीं समझती, कांग्रेस पार्टी को राजनीति में अप्रासंगिक मानती है, तो फिर उसके सांसद यह मांग क्यों कर रहे हैं कि राहुल गांधी झारखंड जाएं। वे यही मांग प्रधानमंत्री मोदी से क्यों नहीं करते। अगर वे ऐसा मानते हैं कि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ कांग्रेस गठबंधन सरकार में शामिल है, और इस नाते राहुल गांधी को वहां जाना चाहिए। तो इस तर्क के हिसाब से तो जंतर–मंतर पर पहले दिन ही नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और धर्मेन्द्र प्रधान को आना चाहिए था। असल में भाजपा भी जानती है कि उसका मकसद सिर्फ हंगामा करना है, समाधान देना नहीं। इसलिए न जंतर–मंतर न झारखंड मोदी–शाह कहीं नजर नहीं आए और सारा ठीकरा अब राहुल गांधी पर फोड़ा जा रहा है। लेकिन भाजपा के इस पैंतरे का उल्टा असर हो रहा है। कहा जा रहा है कि भाजपा सांसदों को भी प्रधानमंत्री नहीं बल्कि राहुल गांधी से उम्मीद है कि छात्रों का हित वही सोचेंगे। बहरहाल, झारखंड में सरकार और छात्र संगठनों के बीच का गतिरोध किस तरह खत्म होता है, यह जल्द सामने होगा। लेकिन इस समय चिंता इस बात की भी करना चाहिए कि किस तरह पूरा मानसून सत्र लगभग बेकार चला गया क्योंकि अमित शाह और नरेन्द्र मोदी सदन में आने से बचते रहे। मोदी सरकार का दावा है कि विपक्ष की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए छात्र प्रदर्शनों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर लोकसभा में विस्तृत चर्चा कराने और गृह मंत्री अमित शाह से जवाब दिलाने की पेशकश की गई। लेकिन कांग्रेस इसे पर्याप्त नहीं मान रही है। कांग्रेस का कहना है कि छात्रों के मुद्दे पर केवल सामान्य चर्चा या गृह मंत्री का भाषण पर्याप्त नहीं है। पार्टी की स्पष्ट तौर पर तीन मांगें हैं–पहली मांग छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से साफ जवाब की है। दूसरी मांग छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी की है। तीसरी मांग अयोध्या के राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित चोरी के आरोपों पर संसद में चर्चा और प्रधानमंत्री के जवाब की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इन मुद्दों पर कोई समझौता नहीं होगा। सोमवार को अंग्रेजी दैनिक द हिंदू में राहुल गांधी ने एक लेख लिखकर इन मांगों को दोहराया था, फिर सोमवार शाम ही मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर फिर से इन्हीं बातों को कहा था। इसके अलावा वे जिस मंच पर जाते हैं, वहां यही सवाल अमित शाह के सामने रखते हैं कि क्या आपने कील लगी लाठियां और पैलेट गन चलाने के आदेश दिए और अगर आपने नहीं दिए तो फिर गृह मंत्रालय से किसने ऐसा करने कहा। इतने ज्यादा सरल और स्पष्ट शब्दों में ये सवाल पूछे गए हैं, फिर भी अमित शाह सीधा जवाब देने की जगह अब भी इस मुद्दे पर चर्चा की बात कह रहे हैं। उनका यह रवैया नरेन्द्र मोदी की तरह ही है, जिनसे अमेरिका में सवाल गौतम अडानी के साथ संबंधों को लेकर हुआ था और उन्होंने जवाब दिया था कि भारत लोकतंत्र की जननी है।

बहरहाल, मोदी–शाह के बचाव में उतरे संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार छात्रों और युवाओं के आंदोलनों तथा उनके खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है। गृह मंत्री अमित शाह इस चर्चा का सरकार की ओर से जवाब देंगे और हर मुद्दे पर बिंदुवार प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन सरकार ने इसके साथ एक शर्त भी रखी कि विपक्ष को चर्चा के दौरान सदन में टोका–टोकी व हंगामा नहीं करना चाहिए और गृह मंत्री का जवाब शांतिपूर्वक सुनना चाहिए। पता नहीं किस तरह का लोकतंत्र नरेन्द्र मोदी बनाना चाहते हैं, जहां वे विपक्ष को भी अपनी कठपुतली की तरह नचाने की कोशिश में लगे हैं। सरकार का कहना है कि विपक्ष कई दिनों से अमित शाह के संसद में बयान की मांग कर रहा था और अब जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है तो विपक्ष को चर्चा से भागना नहीं चाहिए। राहुल गांधी ने भी साफ कह दिया कि विपक्ष की मांग यह कभी नहीं थी कि अमित शाह संसद में आकर छात्रों या युवाओं से जुड़े सामान्य मुद्दों पर भाषण दें। उनके मुताबिक, असली सवाल यह है कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई का आदेश किसने दिया। सरकार इसी तरह राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर भी टालमटोल करती दिखी है। कहा तो जा रहा है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन यह चर्चा कभी हो पाएगी या नहीं, इसमें संदेह है। क्योंकि किरण रिजिजू ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से इस मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई है और राज्य स्तर पर कई कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार का संकेत है कि चूंकि राज्य स्तर पर जांच चल रही है, इसलिए इसे संसद में उठाने की जरूरत को लेकर विपक्ष की मांग स्वीकार करना जरूरी नहीं है। राम मंदिर बनाने का श्रेय लेना हो तो संसद में उस पर मोदी अपनी वाहवाही कर सकते हैं, लेकिन भक्तों की तरफ से चढ़ाए गए करोड़ों रुपए चोरी कर लिए गए, उस पर संसद में सरकार को चर्चा जरूरी नहीं लगती है, तो समझा जा सकता है कि मोदी लोकतंत्र को भी अपनी सुविधा से ही इस्तेमाल कर रहे हैं।

`तथास्तु!' सलमान खान ने खोला बिग बॉस 20 का सबसे बड़ा राज, हर कंटेस्टेंट को मिलेगा `एक्स्ट्रा जीवनदान'

'बिग बॉस हिंदी' अपने 20वें सीजन के साथ वापसी के लिए तैयार है और इस बार शो में गेम पहले से ज्यादा दिलचस्प होने वाला है। जियो हाटस्टार और कलर्रस ने शो का ऑफिशियल ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें सलमान खान ने सीजन के सबसे बड़े ट्विस्ट से पर्दा उठाया। ट्रेलर में सलमान कहते हैं, "बिग बॉस में मिलेगा, मेरी जान... एक्स्ट्रा जीवनदान" और इसके बाद अपने खास अंदाज में 'तथास्तु!' कहते हुए नए ट्विस्ट का ऐलान करते हैं। इस नए नियम के तहत हर कंटेस्टेंट को गेम में एक अतिरिक्त जीवनदान मिलने वाला है।'एक्स्ट्रा जीवनदान' सुनने में भले ही कंटेस्टेंट्स के लिए राहत जैसा लगे, लेकिन सलमान खान के मुताबिक यह उतना सीधा नहीं है। इस ट्विस्ट के बाद घर के अंदर लिए जाने वाले हर फैसले की अहमियत और बढ़ जाएगी। कंटेस्टेंट्स को एक अतिरिक्त मौका तो मिलेगा, लेकिन इसका इस्तेमाल कब और किस तरह किया जाएगा, यह फिलहाल शो का बड़ा सस्पेंस है। ट्रेलर साफ इशारा करता है कि इस बार कंटेस्टेंट्स के लिए सुरक्षित तरीके से गेम खेलना आसान नहीं होगा और उन्हें रिस्क लेने के साथ अपनी रणनीति भी लगातार बदलनी पड़ेगी। बिग बॉस हिंदी के 20वें सीजन को लेकर जियोस्टार के हिंदी एवं इंग्लिश एंटरटेनमेंट बिजनेस के हेड आलोक जैन ने कहा कि किसी भी एंटरटेनमेंट फ्रेंचाइजी के लिए 20 सीजन पूरे करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि इस सीजन में गेमप्ले को नए तरीके से पेश करने और कंटेस्टेंट्स के लिए नई चुनौतियां जोड़ने पर फोकस किया गया है। वहीं सलमान खान ने कहा कि बिग बॉस में हर साल गेम बदलता है, लेकिन इस बार सिर्फ गेम ही नहीं बल्कि खेलने का तरीका भी बदलने वाला है। उन्होंने 'जीवनदान' को लेकर कहा कि यह सुनने में जितना आसान लगता है, असल में उतना सीधा नहीं है। 'बिग बॉस हिंदी सीजन 20' के ट्रेलर ने शो के नए ट्विस्ट को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि घर में एंट्री लेने वाले कंटेस्टेंट्स किस तरह 'एक्स्ट्रा जीवनदान' का इस्तेमाल करते हैं और यह ट्विस्ट उनके पूरे सफर को किस तरह प्रभावित करता है। शो का ग्रैंड प्रीमियर 6 सितंबर 2026 से होगा और दर्शक इसे कलर्रस और जियो हाटस्टार पर देख सकेंगे।

> "उन्होंने बताया कि इस सीजन में गेमप्ले को नए तरीके से पेश करने और कंटेस्टेंट्स के लिए नई चुनौतियां जोड़ने पर फोकस किया गया है। वहीं सलमान खान ने कहा कि बिग बॉस में हर साल गेम बदलता है, लेकिन इस बार सिर्फ गेम ही नहीं बल्कि खेलने का तरीका भी बदलने वाला है।

एस.एस. राजामौली ने बताया 21वीं सदी की अपनी ऑल टाइम फेवरेट फिल्म, इस मूवी के हैं फैन

राजकुमार हिरानी भारतीय सिनेमा के उन फिल्ममेकर्स में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी अलग कहानी कहने की शैली से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स', 'पीके', 'संजू' और 'डंकी' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। अब 'बाहुबली' और 'आरआरआर' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए मशहूर फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली ने हिरानी की एक फिल्म को अपनी पसंदीदा फिल्मों में शामिल किया है। राजामौली के मुताबिक, 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' 21वीं सदी की उनकी ऑल टाइम फेवरेट फिल्म है। एस.एस. राजामौली ने फिल्म के अनोखे कॉन्सेप्ट और कहानी कहने के अंदाज की तारीफ की है। 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' ने जिस तरह कॉमेडी और इमोशन के जरिए मेडिकल सिस्टम, रिश्तों और इंसानियत से जुड़े मुद्दों को पेश किया, वह दर्शकों को काफी पसंद आया था। राजामौली का फिल्म को अपना फेवरेट बताना राजकुमार हिरानी के लिए बड़ी तारीफ मानी जा रही है। हिरानी की फिल्मों की खासियत रही है कि वे मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश को भी कहानी में सहज तरीके से शामिल करते हैं। 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' साल 2003 में रिलीज हुई थी और यह राजकुमार हिरानी की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म थी। फिल्म में संजय दत्त, ग्रेसी सिंह, अरशद वारसी, बोमन ईरानी, जिमी शेरगिल और रोहिणी हट्टंगड़ी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों की शानदार प्रतिक्रिया मिली। साल 2004 में इसे बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था। फिल्म की सफलता के बाद इसका सीक्वल 'लगे रहो मुन्ना भाई' भी बनाया गया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। वर्क फ्रंट की बात करें तो राजकुमार हिरानी ने हाल ही में 'प्रीतम एंड पेड्रो' के साथ डिजिटल स्पेस में कदम रखा है। शो में उनके बेटे वीर हिरानी के साथ अरशद वारसी नजर आए हैं। साइबरक्राइम, कॉमेडी और थ्रिलर के कॉम्बिनेशन वाले इस शो को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह शो जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है और हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, मराठी और कन्नड़ भाषाओं में उपलब्ध है।

प्रियंका ने साझा की श्रीदेवी की बायोग्राफी 'एम्प्रेस' की पहली तस्वीर, लिखा- 'आपकी बहुत याद आती है'

दिग्गज दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की आज 63वीं बर्थ एनिवर्सरी है। इस मौके पर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने श्रीदेवी के जीवन और विरासत पर लिखी गई बायोग्राफी एम्प्रेस से जुड़ी जानकारी साझा की। प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रीदेवी को लेकर एक स्टोरी शेयर की। उन्होंने स्टोरी में अभिनेत्री के जीवन पर आधारित बायोग्राफी एम्प्रेस का कवर फोटो शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'असीमित प्रतिभाशाली एक्ट्रेस, आपकी बहुत याद आती है। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं३।' प्रियंका ने जो फोटो शेयर की उसमें बुक की कवर फोटो पर श्रीदेवी सफेद रंग की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। 2023 में वेस्टलैंड बुक्स ने मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी के जीवन पर आधारित किताब लाने की घोषणा की थी। शुरुआत में इस किताब का नाम 'श्रीदेवी द लाइफ ऑफ लेजेंड' था पर बाद में इसे एम्प्रेस कर दिया गया। किताब को धीरज कुमार ने लिखा है और यह उनकी पहली किताब होगी। लेखक, कपूर परिवार के काफी नजदीकी हैं। इसी दौरान जिस होटल के कमरे में वह रुकी थीं, उसी के वॉशरूम के बाथटब में उनका शव मिला था। उनकी मौत का कारण बाथटब में आकस्मिक रूप से डूबना बताया जाता है।

टॉक्सिकः ट्रेलर की ये 5 डिटेल्स दे सकती हैं फिल्म की बड़ी कहानी के क्लूज का हिंट

ब्लिंक–एंड–यू–मिस–इट डिटेल्स से लेकर ऐसे मोमेंट्स तक, जो फिल्म की बड़ी कहानी की तरफ इशारा कर सकते हैं, टॉक्सिक अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स का ट्रेलर अपने अंदर काफी कुछ समेटे हुए है। रॉकिंग स्टार यश डबल रोल में नजर आ रहे हैं और ट्रेलर में उनके दो बिल्कुल अलग अवतारों की झलक देखने को मिलती है। साथ ही, किरदारों और उनके आपस में जुड़े अतीत को लेकर कई क्लूज भी छोड़े गए हैं। आइए नजर डालते हैं ऐसे ही 5 फ्रेम्स पर, जिन्हें थोड़ा गौर से देखने की जरूरत है,

बच्चे और चाकू वाला रहस्यमयी फ्रेम

ट्रेलर में एक ऐसा डिस्टर्बिंग फ्रेम दिखाई देता है, जिसमें एक शख्स बच्चे को गोद में लिए नजर आता है और उसी दौरान उस पर चाकू से हमला होता दिखता है। बच्चे के ऊपर खून के छींटे भी नजर आते हैं। यह छोटा सा सीन कई सवाल खड़े करता है। क्या गोद में नजर आ रहा बच्चा राया है या टिकट? संभव है कि यह झलक फिल्म के किरदारों के अतीत और कहानी की बड़ी मिस्ट्री से जुड़ा कोई अहम क्लू हो।

टिकट का हैरान करने वाला ट्रांसफॉर्मेशन

ट्रेलर की सबसे खास डिटेल्स में से एक यश का टिकट के रूप में नजर आना है। इस अवतार में उनका लुक और बॉडी लैंग्वेज काफी अलग दिखाई देती है। क्लीन–शेव्ड लुक और बदला हुआ अंदाज उन्हें लगभग पहचान से बाहर कर देता है। यह ट्रांसफॉर्मेशन इस बात की ओर इशारा करता है कि फिल्म में यश के डबल रोल की कहानी कितनी अहम हो सकती है और टिकट का किरदार राया से किस तरह अलग है।

कई कहानियों का टकराता हुआ 'कैओस'

'टॉक्सिक' के ट्रेलर में एक साथ कई किरदार, रिश्ते और संघर्ष दिखाई देते हैं। अलग–अलग पैरलल स्टोरीलाइन्स धीरे–धीरे एक–दूसरे से जुड़ती हुई नजर आती हैं। इन झलकियों से फिल्म की दुनिया में कॉन्फ्लिक्ट, धोखे और साजिश का बड़ा जाल बनने का संकेत मिलता है। हालांकि इन सभी कड़ियों का असली कनेक्शन फिल्म रिलीज होने के बाद ही सामने आएगा।

यश और नयनतारा के बचपन का कनेक्शन

ट्रेलर में यश और नयनतारा के किरदारों के बचपन की छोटी सी झलक भी दिखाई देती है। यह सीन उनके मौजूदा रिश्ते के पीछे छिपे किसी गहरे अतीत की ओर इशारा कर सकता है। क्या दोनों का रिश्ता भाई–बहन का है? क्या बचपन में उनके बीच कोई ऐसा हादसा हुआ जिसने उनकी जिंदगी बदल दी? ट्रेलर इन सवालों के जवाब नहीं देता, लेकिन उनकी कहानी में अलगाव, संघर्ष और सर्वाइवल की अहम भूमिका होने का संकेत जरूर देता है।

प्यार, धोखे और चाहत के बीच उलझे रिश्ते

यश, कियारा आडवाणी और तारा सुतारिया के किरदारों के बीच ट्रेलर में एक इंटेंस और इमोशनल डायनैमिक देखने को मिलता है। इन रिश्तों में प्यार के साथ–साथ लॉयल्टी और बिट्रेयल की झलक भी नजर आती है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि कौन किसके साथ खड़ा है और कौन अपने प्यार के खिलाफ जाने को मजबूर होगा? ट्रेलर के ये पल फिल्म की कहानी में रिश्तों और भावनाओं के बड़े टकराव की ओर इशारा करते हैं।

26 अगस्त को खुलेगी 'टॉक्सिक' की दुनिया

ट्रेलर में दिखाई गई ये सभी डिटेल्स फिलहाल सिर्फ संभावित क्लूज और उनकी व्याख्याएं हैं। फिल्म की असली कहानी और इन फ्रेम्स का कनेक्शन सिनेमाघरों में ही सामने आएगा। रॉकिंग स्टार यश की 'टॉक्सिकरू अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स' 26 अगस्त 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। अब देखना होगा कि ट्रेलर में छिपे ये छोटे–छोटे संकेत फिल्म के बड़े राजों से कितना जुड़ते हैं।

पूजा बेदी ने बताया क्यों नही करना चाहतीं शादी? सगाई और रिलेशनशिप को लेकर कही ये बात

पूजा बेदी ने हाल ही में अपने रिश्तों को लेकर राय रखी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को लेकर उनकी सोच काफी बदल चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर मानेक कॉन्ट्रैक्टर से शादी के बारे में भी काफी कुछ ही। पूजा बेदी ने विक्की लालवानी से बातचीत के दौरान शादी के इरादे पर बात की। उन्होंने कहा कि शादी उनके सपनों का हिस्सा नहीं है। वह खुद को शादीशुदा की तरह ही मानती हैं। आगे अपनी बातचीत में पूजा ने कहा, 'मेरी शादी हुई, मेरा तलाक हो गया, मेरे दो बच्चे हैं। उनकी भी शादी हुई, उनका तलाक हो गया, उनके भी बच्चे हैं। संपत्ति जैसी छोटी–छोटी बातों में तो सब कुछ बहुत सरल है। मेरी संपत्ति मेरे बच्चों को मिलेगी, उनकी संपत्ति भी उनके बच्चों को मिलेगी। मैं कमा रही हूँ, वह कमा रहे हैं, हम दोनों आत्मनिर्भर हैं। मुझे सुरक्षा के लिए उनकी जरूरत नहीं है। उन्हें भी आर्थिक सुरक्षा के लिए मेरी जरूरत नहीं है।' पूजा बेदी ने साल 1994 में व्यवसायी फरहान फर्नीचरवाला से शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे (आलिया और उमर) हैं। वर्ष 2003 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई की है। बताते चलें पूजा बेदी ने जो जीता वही सिकंदर, लुटेरे, आतंक ही आतंक, फिर तेरी कहानी याद आई जैसी फिल्मों में काम किया है।

कभी नहीं खाना चाहिए ये 5 तरह के बीज, सेहत के लिए होते हैं अनहेल्दी

हेल्दी रहने और बहुत सारी बीमारियों को कोसों दूर रखने के लिए न्यूट्रिशियस फूड्स खाना जरूरी होता है। इसमे फल–सब्जियों से लेकर ड्राई फ्रूट्स और नट्स शामिल हैं। साथ ही कुछ खास तरह के बीजों को भी हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है। जैसे चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, पंपकिन सीड्स, सनफ्लावर सीड्स। वहीं कुछ बीज ऐसे होते हैं जिन्हें अगर खा लिया जाए तो सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए हेल्दी चीजों के अंदर पाए जाने वाले इन बीजों से दूरी बनाकर रखने में ही भलाई है। आगे जाने कौन से हैं वो सीड्स, जिन्हें ना खाने में ही भलाई है।

टमाटर के बीज

टमाटर के बीज काफी छोटे होते हैं और अधिकतर गूदे में लिपटे रहते हैं। जिन्हें अलग करने का काम कोई नहीं करता। फिर चाहे सब्जी हो या सलाद, प्यूरी से लेकर ग्रेवी तक में आराम से शामिल कर दिए जाते हैं। लेकिन ये टमाटर के बीज ही हैं जो किडनी में स्टोन बनाने वाले कंपाउंड को रखते हैं। दरअसल, टमाटर के बीज में ऑक्सलेट होता है जो किडनी स्टोन को बनने में मदद करता है। हालांकि ये बात तो आप अच्छे से समझते होंगे कि रोजाना बहुत ज्यादा मात्रा में टमाटर के बीजों को खाने पर ही ये स्टोन बनाएंगे।

सेब के बीज

सेब तो बहुत ही फायदेमंद फ्रूट है। जिसे लगभग हर किसी को खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन आप जानते हैं कि इतने हेल्दी सेब का बीज जहरीला होता है। सेब के बीजों में खास तरह का कंपाउड अमिगडैलिन होता है। अगर सेब के बीज को खा लिया जाए तो पचते समय ये कंपाउंड हाइड्रोजन साइनाइड बनाने लगता है। जिसकी वजह से मौत होने के भी चांस रहते हैं। लेकिन जानने वाली बात है कि शरीर में हाइड्रोजन साइनाइड की मात्रा जब हर एक किलो पर 15.2 मिलीग्राम होगी। तब ही मौत का खतरा होता है। अगर आपने एक दो बीज सेब के खा लिए तो चिंता की बात नही है।

इन फलों के बीज भी होते हैं नुकसानदेह

सेब के अलावा प्लम, खुबानी, चेरी, आलूबुखारा के बीज भी हेल्दी समझकर नहीं खाना चाहिए। इन सबमे जहरीले कंपाउड होते हैं। इसलिए इन सारे फ्रूट्स को खाते समय बीज को खाने से पूरी तरह बचना सही है।

लीची के बीज

चेरी और खुबानी जैसे फलों के साथ ही लीची के बीज भी नहीं खाने चाहिए। अक्सर लोग जामुन के फायदेमंद गुठली की तरह लीची के बीजों को भी फायदेमंद समझते हैं। लेकिन ये अनहेल्दी होते हैं। स्टडी में पता चला है कि लीची के बीजों में खास तरह का अमीनो एसिड होता है जो ब्लड ग्लूकोज लेवल को प्रभावित करता है। साथ ही ये दिमाग में सूजन का कारण भी बनते हैं।

लाल राजमा

लाल वाले राजमा को कभी भी कच्चा खाने की गलती नहीं करनी चाहिए। इसीलिए हमेशा मम्मी राजमा को भिगोकर पकाने के बाद ही खाने को देती हैं। दरअसल, लाल राजमा में ऐसे कंपाउंड होते हैं जो रेड ब्लड सेल्स का थक्का बनाने लगते हैं। जो कि बहुत ही खतरनाक कंडीशन है। अगर आप 4–5 कच्चे लाल राजमा को भी चबाकर खा जाते हैं तो ये उल्टी और डायरिया का कारण बन जाते हैं। भिगोकर उबालने से राजमा के ये हार्मफुल कंपाउंड खत्म हो जाते हैं और इसका न्यूट्रिशन शरीर को मिलता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए जहर है ये 5 फूड्स, खाते ही तेजी से बढ़ता है ब्लड शुगर लेवल

डायबिटीज एक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, जिसे साइलेंट किलर के नाम से भी जाना जाता है। डायबिटीज बढ़ने पर व्यक्ति को स्ट्रोक,अटैक,किडनी और लीवर डैमेज का खतरा भी बढ़ने लगता है। आमतौर पर लोग मधुमेह को चीनी से जोड़कर देखते हैं। लेकिन आपको बता दें, चीनी के अलावा कई ऐसे फूड्स भी हैं, जिनका सेवन अधिक करने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ता है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में, जिनका सेवन करने से डायबिटीज रोगियों को बचना चाहिए।

डायबिटीज के होने न होने का पता इन लक्षणों को देखकर करें–

व्यक्ति को डायबिटीज होने पर बार–बार प्यास लगना, बार–बार पेशाब आना, थकान, अचानक वजन का कम हो जाना, प्राइवेट पार्ट में खुजली, धुंधला दिखना, घाव का धीरे–धीरे भरना जैसे लक्षण नजर आने लगते हैं। इनमें से किसी भी लक्षण के दिखने पर तुरंत अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

डायबिटीज रोगी इन फूड्स का सेवन करने से बचें–

केला–

फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर केला बाकी लोगों की तुलना में मधुमेह रोगियों की सेहत को बनाने की जगह बिगाड़ भी सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक मीडियम साइज के एक पक्के हुए केले में 14 ग्राम शुगर होता है, जो एक डायबिटीज मरीज के लिए खतरा हो सकता है। हालांकि कुछ एक्सपर्ट बताते हैं कि डायबिटीज मरीज कच्चे केले का सेवन कर सकते हैं।

फ्रूट जूस–

आपको जानकर हैरानी हो सकती है कि विटामिन और खनिजों से भरपूर फलों का जूस भी डायबिटीज रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है। फलों के जूस में शुगर के रूप में उच्च मात्रा में फ्रक्टोज होता है। रिसर्च से पता चलता है कि फ्रक्टोज वाली चीजों का ज्यादा सेवन करने से लिवर ओवरलोड हो सकता है, जिससे नॉन–अल्कोहल फैटी लिवर डिजीज और टाइप 2 डायबिटीज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ब्राउन राइस–

ब्राउन राइस में मौजूद हाई फाइबर की वजह से इसे हेल्दी माना जाता है। बावजूद इसके डायबिटीज मरीजों को इसे खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए ब्राउन राइस में फाइबर के साथ कार्ब्स की मात्रा भी प्रचूर मात्रा में मौजूद होती है। जो पचने के बाद आसानी से ग्लूकोज में बदलकर तेजी से ब्लड शुगर को बढ़ाने का काम करती है।

शकरकंद–

शकरकंद में मौजूद हाई स्टार्च कार्ब ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाने का काम करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर और विटामिन जैसे पोषक तत्व डायबिटीज रोगियों के लिए अच्छा स्वस्थ विकल्प नहीं है।

फ्राईड फूड्स–

तले हुए खाद्य पदार्थों में वसा की मात्रा अधिक होती है। वसा धीरे–धीरे पचती है इसलिए यह रक्त शर्करा में वृद्धि का कारण बन सकती है जो कई घंटों तक बनी रहती है। चूंकि तले हुए खाद्य पदार्थों में वसा कैलोरी भी अधिक होती है, इसलिए वे वजन बढ़ने का खतरा बढ़ाते हैं, जिससे आपका मधुमेह जटिल हो सकता है।

योग व एक्सरसाइज के लिए पहनें ऐसी पैंट्स, मिलेगा परफेक्ट बॉडी शेप

आज के समय में हर कोई हेल्दी और फिट रहना चाहता है। ऐसे में हम सभी कोई न कोई एक्सरसाइज जरूर करते हैं। हालांकि अधिकतर लोगों को योगा करना ज्यादा पसंद होता है। वहीं योगा करने के दौरान आरामदायक कपड़े पहने जाते हैं। जिसके लिए हम सभी न जाने कितने तरह की पैन्ट्स खरीदते हैं। बता दें कि योगा करने के लिए कई तरह की पैन्ट्स होती हैं। लेकिन इन पैंट्स के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। जहां योगा को अपनी डेली लाइफ में शामिल करने से मानसिक शांति का अनुभव होता है, तो वहीं जीवन पर भी काफी अच्छा प्रभाव पड़ता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ योगा पैन्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको पहनकर एक्सरसाइज करने से आप कंफर्टेबल महसूस करेंगे।

स्ट्रीमलाइन्ड स्ट्रैट पैन्ट्स

इस पैन्ट का डिजाइन काफी सिंपल होता है। साथ ही यह हर बॉडी शेप पर फिट बैठता है। वैसे तो यह पैन्ट बॉडी फिटेड होती है, लेकिन पैरों तक जाते–जाते इस पैन्ट की लेंथ स्ट्रेट हो जाती है। बता दें कि अधिकतर प्लस साइज के लिए यह पैंट होती है। यह आपको पतला लुक देने का काम करती है। इस तरह के डिजाइन और मटेरियल वाली पैन्ट्स में आप आसानी योगा कर पाएंगे और आपको आरामदायक भी महसूस होगा।

फुल लेंथ योगा पैन्ट्स

फुल लेंथ वाली योगा पैन्ट्स काफी समय से इस्तेमाल की जा रही है। बड़े–बड़े योग गुरु भी इस पैंट का इस्तेमाल करते हैं। पैरों के एंकल के भी नीचे तक यह पैन्ट्स होती हैं। इस पैंट को कैरी करने से बॉडी कवर होने के साथ ही बॉडी को सही तरीके से सपोर्ट देने में भी सहायक होती है। इसको पहनकर आप मुश्किल से मुश्किल योगा पोज काफी आसानी से कर सकते हैं। हर तरह की बॉडी टाइप पर पैन्ट्स खूबसूरत नजर आती हैं।

स्ट्राइप डिजाइन योग पैन्ट्स

अगर आपको भी स्टाइलिश कपड़े पहनने का शौक है तो आप स्ट्राइप डिजाइन योग पैन्ट्स खरीद सकती हैं। यह देखने में स्टाइलिश होती हैं। हालांकि इन पैन्ट्स का मटेरियल फ्लेक्सिबल और स्किन फ्रेंडली होता है। यह स्ट्रेचेबल फैब्रिक की मदद से बनाया गया है। इसमें आपको कई तरह की स्ट्रिप्स में योगा पैंट मिल जाएंगी। इन्हें पहनने से आपकी बॉडी के शेप मिलने के साथ स्टाइलिश लुक भी मिलेगा। इन पैन्ट्स में पेट की तरफ आपको चौड़ा सा इलास्टिक बैंड मिल जाएगा, जो आपको फिट लुक देने में मदद करेगा।

खांसने या छींकने में होता है पेट में दर्द तो ये है हर्निया की निशानी, इसका जल्द से जल्द करवा लो इलाज

पेट दर्द एक आम समस्या बन गई है जिसे कोई भी दवाई लेकर या देसी इलाज के जरिए ठीक करने की कोशिश की जाती है बीना ये जाने की पेट दर्द का कारण क्या है। अगर आप पेट दर्द से परेशान हैं तो हर्निया भी इसका कारण हो सकती है। हर्निया एक उभार होता है जो तब बनता है जब कोई अंग या टिश्यू आस–पास की मांसपेशियों की दीवार में किसी छेद या कमजोर जगह से बाहर निकल आता है। ज्यादातर हर्निया पेट की दीवार या जांघ के ऊपरी हिस्से (ग्रोइन एरिया) में होते हैं। समय के साथ, हर्निया बढ़ सकता है और दर्दनाक हो सकता है। शारीरिक गतिविधि करने पर, या खांसने, छींकने या खड़े होने पर आपको बेचैनी या ज्यादा दर्द महसूस हो सकता है।

कब खतरनाक हो जाता है हर्निया

अगर आपका हर्निया दर्दनाक हो जाता है या आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट डालता है, तो आपका डॉक्टर सर्जरी की सलाह दे सकता है। भले ही हर्निया से दर्द न हो, फिर भी भविष्य में होने वाली जटिलताओं से बचने के लिए कुछ मामलों में सर्जरी पर विचार किया जा सकता है। हर्निया की सर्जरी में अंग या टिश्यू को वापस उसकी सही जगह पर पहुंचाया जाता है और मांसपेशियों की दीवार में मौजूद छेद या कमजोर जगह को ठीक किया जाता है। हर्निया में अचानक और तेज दर्द या छूने पर दर्द होना इस बात का संकेत हो सकता है कि हर्निया का थैला (हर्निया सैक) फंस गया है या उसमें रक्त का प्रवाह रुक गया है (स्ट्रैंगुलेटेड हर्निया)। यह जानलेवा हो सकता है और आपको इमरजेंसी हर्निया सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है।

हर्निया के लक्षण क्या हैं?

हर्निया के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि हर्निया कितना बड़ा है और शरीर में कहा है। पेट के ज्यादातर हर्निया का मुख्य लक्षण जांघ और पेट के जोड़ (ग्रोइन) या पेट में उभार या नरम गांठ का होना है। आमतौर पर, इस उभार को धीरे से वापस अंदर धकेला जा सकता है, और लेटने पर यह गायब भी हो सकता है। जिन पुरुषों को इंग्वाइनल हर्निया होता है, उन्हें अंडकोश में उभार दिखाई दे सकता है। खांसने या जोर लगाने पर यह उभार ज्यादा साफ दिख सकता है। बच्चों में अम्बिलिकल हर्निया (नाभि का हर्निया) अक्सर तब ज्यादा साफ दिखता है जब वे रो रहे हों। आपको ये लक्षण भी महसूस हो सकते हैं जैसे–उभार के आसपास भारीपन या बेचैनी महसूस होना, जहां उभार है, वहां खिंचाव या भारीपन महसूस होना। खांसने, जोर लगाने, कसरत करने या भारी चीज उठाने पर ये लक्षण महसूस हो सकते हैं।

हर्निया क्यों होता है?

हर्निया पेट की दीवार में कमजोरी के कारण होता है। यह कमजोरी जन्म से हो सकती है, पेट की सर्जरी के बाद हो सकती है, समय के साथ विकसित हो सकती है। हर्निया के कारण और जोखिम के कारक इस बात पर निर्भर करते हैं कि आपको किस तरह का हर्निया है। हर्निया तब होने की संभावना ज्यादा होती है जब पेट में दबाव बढ़ जाता है। ऐसा इन वजहों से हो सकता है।

–ज्यादा वजन या मोटापा होना

–प्रेग्नेंसी

–लंबे समय तक खांसी रहना

–कब्ज और टॉयलेट में जोर लगाना

–कुछ तरह के हर्निया के लिए उम्र का बढ़ना और स्मोकिंग करना भी जोखिम के कारक हैं।

हर्निया सर्जरी के फायदे

दर्दनाक हर्निया के लिए सर्जरी सबसे अच्छा इलाज है। इससे और इसके कारण होने वाले दर्द से छुटकारा पाने का यही एकमात्र तरीका है। कई हर्निया के मामलों में आखिरकार सर्जरी की जरूरत पड़ती ही है। अगर आप बहुत ज्यादा इंतजार करते हैं, तो आपका हर्निया बड़ा हो सकता है और उसे ठीक करना मुश्किल हो सकता है। कुछ बातें, जैसे कि स्मोकिंग, डायबिटीज और ज्यादा वजन होना, हर्निया सर्जरी के बाद जटिलताओं का जोखिम बढ़ा सकती हैं। अगर आपको ये स्वास्थ्य समस्याएं हैं, तो हो सकता है कि आप हर्निया सर्जरी के लिए सही उम्मीदवार न होंय आपको इस बारे में अपने सर्जन से बात करनी होगी।

सर्जरी के तुरंत बाद होने वाले आम जोखिम और साइड इफेक्ट में शामिल हैं जैसे–चीरे वाली जगह पर नील पड़ना, या इन्फेक्शन और ब्लीडिंग होना। अगर हर्निया ग्रोइन (जांघ और पेट के बीच का हिस्सा) में था, तो पेशाब करने में समस्या होना। हर्निया वाली पुरानी जगह पर फ्लूड जमा होना, जिसे सेरोमा कहते हैं। इसके अलावा ग्रोइन में लगातार दर्द, मेश का अपनी जगह से हिलना या टूट जाना, हर्निया का दोबारा होना, दुर्लभ लेकिन गंभीर जोखिम और साइड इफेक्ट में शामिल हैं।

संक्षिप्त

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स 113 अंक चढ़ा, निफ्टी 40 अंक टूटा

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में गुरुवार को उतार–चढ़ाव दिखा। कारोबार के समापन पर सेंसेक्स 113.61 (0.15प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,079.96 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 40.10 (0.16प्रतिशत) अंक टूटकर 24,395.85 के स्तर पर बंद हुआ। आज गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों ने मासिक एक्सपायरी के दिन की अस्थिरता के लिए खुद को तैयार किया था। सेंसेक्स 113.61 अंक गिरकर 78,079.96 पर आ गया। वहीं, निफ्टी में 40.11 अंकों की गिरावट आई और यह 24,395.85 पर बंद हुआ। बाजार में अधिकांश क्षेत्रों में नकारात्मक रुख देखा गया। धातु, तेल व गैस, फार्मा, निजी बैंक और उपभोक्ता–केंद्रित क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव रहा। हालांकि, मीडिया, एफएमसीजी, सूचना प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट, रसायन और सीमेंट जैसे कुछ क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की गई। विश्लेषकों ने दलाल स्ट्रीट के लिए मजबूत सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के कारकों का उल्लेख किया। बाजार का समग्र माहौल कमजोर बना रहा। व्यापक गिरावट ने कुछ मजबूत क्षेत्रों को भी प्रभावित किया। आज के कारोबार में क्षेत्रीय बाजार की चौड़ाई नकारात्मक रही। अधिकांश सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। धातु, तेल व गैस, फार्मा और निजी बैंक जैसे क्षेत्रों को नुकसान हुआ। उपभोक्ता–केंद्रित क्षेत्रों में भी बिकवाली का दबाव स्पष्ट था। इसके विपरीत, मीडिया, एफएमसीजी, सूचना प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट, रसायन और सीमेंट जैसे कुछ क्षेत्रों में वृद्धि देखी गई। गुरुवार को भारतीय रुपये में भी कमजोरी देखी गई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 0.1 फीसदी गिरकर 95.44 पर बंद हुआ। इसका पिछला बंद भाव 95.33 रुपये था। रुपये की इस गिरावट ने बाजार के कमजोर रुख को और पुख्ता किया।

वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच स्टेट बैंक ने जुटाए 50 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक बाजारों में चल रही उथल–पुथल और अनिश्चितता के माहौल के बीच, भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी वित्तीय साख का लोहा मनवाया है। एसबीआई ने अपनी लंदन शाखा के जरिए 50 करोड़ डॉलर (आधा अरब डॉलर) मूल्य के रेगुलेशन एस बॉन्ड का सफलतापूर्वक मूल्य निर्धारण पूरा कर लिया है। हैरान करने वाली बात यह है कि विदेशी निवेशक इस बॉन्ड को खरीदने के लिए इस कदर टूट पड़े कि बैंक को उम्मीद से कई गुना अधिक बोलियां मिल गईं और बैंक को ब्याज दरों के अंतर (स्प्रेड) को काफी कम करना पड़ा। एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने इस ऐतिहासिक सफलता को भारत की विकास गाथा और एसबीआई की वित्तीय साख पर दुनिया भर के निवेशकों के अटूट भरोसे का सबसे बड़ा प्रमाण बताया है। एसबीआई के इस विदेशी बॉन्ड की वार्षिक कूपन (ब्याज) दर 5.25 प्रतिशत तय की गई है। इस पूरे सौदे को एसबीआई की लंदन शाखा के माध्यम से विदेशी ऋण पूंजी बाजार में अंजाम दिया गया। इस बॉन्ड की कीमत को 5–वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी दर के मुकाबले बेंचमार्क किया गया था और इसे बेंचमार्क से केवल 88 बेसिस पॉइंट के बेहद कड़े स्प्रेड पर तय किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद, इस ऋण साधन को तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंज प्लेटफॉर्म्स–SGX–ST, India INX, और NSE–IX पर लिस्ट किया जाएगा।

इस बॉन्ड को अंतरराष्ट्रीय बाजार से बेहद शानदार और भारी प्रतिक्रिया मिली। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के बड़े संस्थागत निवेशकों ने इस बॉन्ड को खरीदने में अपनी मजबूत रुचि दिखाई। मांग का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस बॉन्ड के लिए बुक बिल्डिंग के दौरान बोलियों की चरम सीमा 2.46 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई, जिसमें कुल 145 वैश्विक निवेशकों ने भाग लिया। इस भारी मांग को देखते हुए बैंक ने शुरुआती मूल्य मार्गदर्शन को ट्रेजरी दर 120 बेसिस पॉइंट से घटाकर केवल ट्रेजरी दर 88 बेसिस पॉइंट कर दिया, जिससे बैंक की कुल ब्याज लागत में 32 बेसिस पॉइंट की सीधी बचत हुई। एसबीआई के इस बॉन्ड की सुरक्षा और विश्वसनीयता को परखते हुए वैश्विक और घरेलू रेटिंग एजेंसियों ने इसे मजबूत निवेश ग्रेड रेटिंग प्रदान की है। इस ऐतिहासिक डील को पूरा करने के बाद एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने कहा कि चल रही वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच 500 मिलियन डॉलर का यह सफल मूल्य निर्धारण विदेशी बाजारों में एसबीआई के बॉन्ड के लिए निवेशकों की मजबूत भूख को दर्शाता है। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि, ष्यह बॉन्ड भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की स्वैप विंडो घोषणा के बाद से सभी भारतीय सार्वजनिक बॉन्ड जारी करने वालों में सबसे कड़े स्प्रेड पर तय हुआ है९। यह दिखाता है कि वैश्विक निवेशकों को भारत की विकास गाथा और एसबीआई की क्रेडिट गुणवत्ता पर पूरा भरोसा है, जिससे देश के अन्य जारीकर्ताओं के लिए भी कर्ज की लागत को नियंत्रित रखने में मदद मिली है। इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सौदे को सफल बनाने के लिए दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित बैंकों ने ज्वाइंट बुक रनर्स के रूप में काम किया। इस सूची में बीएनपी पारिबा, सिटीग्रुप, क्रेडिट एग्रीकोल सीआईबी, एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी, एचएसबीसी, एमयूएफजी, और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक जैसे दिग्गज बैंक शामिल रहे।

अपनी बायोपिक का क्या नाम रखना चाहते हैं हरभजन सिंह? बताया- कौन सा बॉलीवुड हीरो निभा सकता है उनका किरदार

नई दिल्ली,एजेंसी। अगर हरभजन सिंह के क्रिकेट करियर पर बॉलीवुड फिल्म बने तो उसमें उनका किरदार कौन निभाएगा? इस सवाल का जवाब खुद हरभजन ने दिया है। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर ने कहा कि उनकी जिंदगी पर फिल्म बने तो वह उसका नाम जज्बा रखना चाहेंगे और अभिनेता विक्की कौशल को अपना किरदार निभाते देखना पसंद करेंगे। हरभजन ने इसके पीछे की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, अगर मेरे क्रिकेट करियर पर बॉलीवुड फिल्म बने तो मैं उसका नाम जज्बा रखूंगा और चाहता हूं कि विक्की कौशल मेरा किरदार निभाएं। वह पंजाबी हैं, होशियारपुर से हैं और बहुत अच्छे अभिनेता हैं। हरभजन के इस जवाब में उनके पंजाब कनेक्शन की झलक भी दिखाई दी। उन्होंने विक्की कौशल को अपने किरदार के लिए इसलिए पसंद किया क्योंकि दोनों की जड़ें पंजाब से जुड़ी हैं और विक्की को वह बेहतरीन अभिनेता मानते हैं।

क्रिकेट से संन्यास के बाद हरभजन राजनीति में सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि खेल आज भी उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में उन्हें क्रिकेट से जुड़ी कोई भी जिम्मेदारी मिलती है तो वह उसे पूरी ईमानदारी से निभाना चाहेंगे। हरभजन ने कहा, मेरी जिंदगी में जो कुछ भी मेरी किस्मत में होगा, मुझे मिलेगा। लेकिन अगर जिंदगी में मुझे क्रिकेट या खेल के लिए कुछ करने का मौका मिलता है तो मैं बहुत खुश होऊंगा। मेरी इच्छा है कि मैं किसी न किसी रूप में खेल की सेवा करूं और क्रिकेट को कुछ वापस दूं जिसने मुझे इतना कुछ दिया है। उन्होंने संभावित भूमिकाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अगर उन्हें बीसीसीआई अध्यक्ष, चयनकर्ता या मुख्य कोच बनने का मौका मिलता है और वह भारतीय क्रिकेट की मदद कर सकते हैं तो वह इसके लिए तैयार रहेंगे।

हरभजन ने राजनीति में अपनी भूमिका को लेकर भी स्पष्टता दी। उन्होंने कहा कि

वह पारंपरिक अर्थों में खुद को राजनेता नहीं मानते, बल्कि एक खिलाड़ी हैं जो राजनीति के मंच के जरिए खेल के लिए काम करना चाहता है। उन्होंने कहा, मैं पारंपरिक अर्थों में राजनेता नहीं हूं। मैं एक खिलाड़ी हूं, जो राजनेता बना है, लेकिन मेरा उद्देश्य इस मंच का इस्तेमाल भारतीय खेल में सुधार करने और उसके विकास में योगदान देने का है। मेरा लक्ष्य यही है। मेरी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है कि मुझे यह बनना है या वह बनना है। अगर मैं भारत में खेलों के लिए योगदान दे पाऊं तो मैं खुद को भाग्यशाली मानूंगा। हरभजन ने अपने करियर के उस मैच का भी खुलासा किया जिसे वह मिटाकर दोबारा खेलना चाहते हैं। उनके लिए यह मुकाबला 2003 वनडे विश्व कप का फाइनल है, जिसमें भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, श्अगर मैं अपने करियर से एक मैच मिटाकर उसे दोबारा खेल सकता, तो वह 2003 विश्व कप का फाइनल होता, जो हम हार गए थे। मैं उस मैच को दोबारा खेलना बहुत पसंद करूंगा। भारत ने 2003 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 125 रन से हार झेली थी। हरभजन उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का अहम हिस्सा थे। वर्षों बाद भी उस हार की कसक उनके शब्दों में साफ नजर आई। क्रिकेट मैदान पर दुनिया के बड़े–बड़े बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने वाले हरभजन सिंह के लिए घर में मुकाबला थोड़ा अलग है। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर ने बताया कि वह अपनी पत्नी से बहस जीतने में सफल नहीं हो पाते। हालांकि, हरभजन के मुताबिक, हर बहस जीतना जरूरी भी नहीं होता और कभी–कभी रिश्ते को बचाने के लिए हार जाना ही असली जीत होती है। हरभजन ने अपने अनुभव को मजेदार अंदाज में साझा करते हुए कहा, कई साल तक बल्लेबाजों को आउट करने की कोशिश करने के बाद भी जिस व्यक्ति से मैं बहस नहीं जीत सकता, वह मेरी पत्नी हैं। वह मुश्किल नहीं हैं, लेकिन कभी–कभी आप जीतकर हारते हैं और हारकर जीत जाते हैं।

हरभजन ने कहा, श्मैं गुरु गोपाल का पॉडकास्ट सुन रहा था और उन्होंने कहा कि कभी–कभी आपको बहस हार जानी चाहिए। जो व्यक्ति हारता है, असल में वही जीतता है। रिश्ते को बचाने के लिए कभी–कभी बहस हार जाना बहुत जरूरी है। मुझे यह बहुत गहरी बात लगी और मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं।

किसी को एयरपोर्ट तो किसी को मंदिर में मिला टीम इंडिया का बुलावा, आकिब-सारांश ने याद किया चयन का पल

कोलंबो,एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले जम्मू–कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी और मध्य प्रदेश के ऑलराउंडर सारांश जैन के लिए टीम इंडिया तक पहुंचने का सफर धैर्य, मेहनत और संघर्ष से भरा रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय टीम में चयन की खबर मिलने के अपने खास पलों को याद किया है। 29 वर्षीय आकिब नबी भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले जम्मू–कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम का दरवाजा खटखटाने का मौका दिया। नबी ने जम्मू–कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाते हुए पूरे सीजन में 60 विकेट झटके थे। नबी ने कहा कि उन्हें अपने प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में चयन की उम्मीद थी, लेकिन उनका ध्यान सिर्फ अपने प्रदर्शन पर था। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा, हां, मुझे उम्मीदें थीं। लेकिन एक क्रिकेट खिलाड़ी की मानसिकता भी ऐसी होनी चाहिए कि आपका काम प्रदर्शन करना है और बाकी सब देख लेंगे। आज नहीं तो कल मैं भारतीय टीम में शामिल हो जाऊंगा। उन्होंने कहा, श्आप इतने वर्षों से अच्छा कर रहे हैं। आपको अपनी मेहनत का फल मिलना ही चाहिए। मेरा काम विकेट लेना और प्रदर्शन करना है। बाकी सब ऊपरवाले पर है।

नबी का इंतजार उस समय खत्म हुआ, जब चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया।

हालांकि, उन्हें चयन की खबर किसी सामान्य तरीके से नहीं मिली। नबी ने बताया कि वह बंगलूरू जाने के लिए एयरपोर्ट पर थे, तभी उन्हें फोन आया। उन्होंने कहा, मैं एयरपोर्ट पर था। हमें एक कैंप में जाना था। फ्लाइट बंगलूरू में बोर्ड होने वाली थी, तो मुझे एक कॉल आया और पूछा गया कि मैं कहां हूं। मैंने कहा, श्सर, मैं बेंगलुरु जा रहा हूं, मैं एयरपोर्ट पर हूं। उन्होंने कहा, श्नहीं, तुम्हें वहां जाने की जरूरत नहीं है, तुम्हें श्रीलंका आना होगा और तुम्हारा चयन हो गया है।

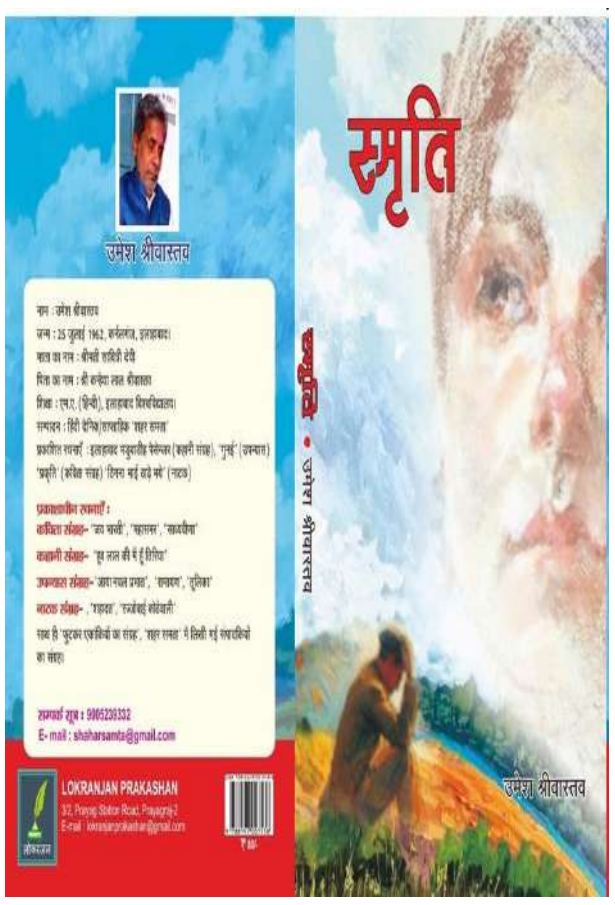

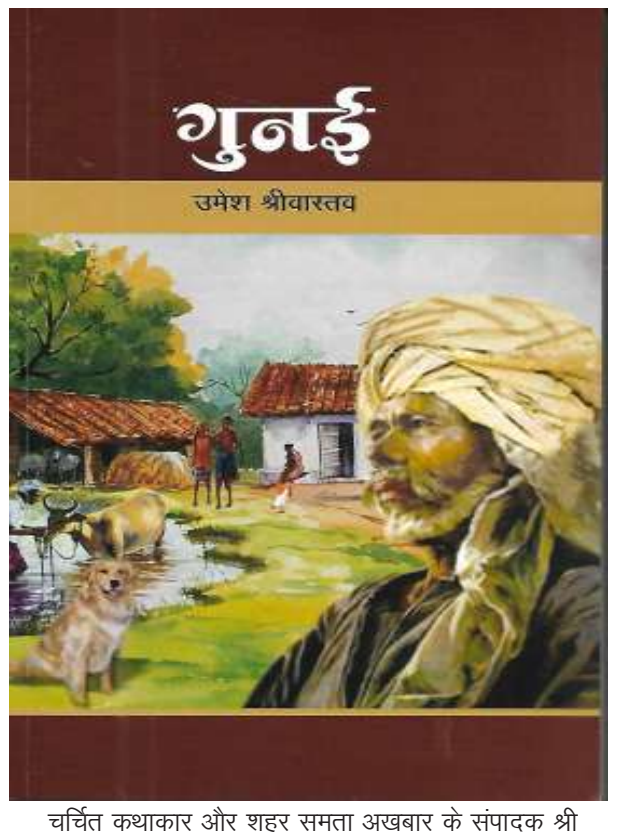

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

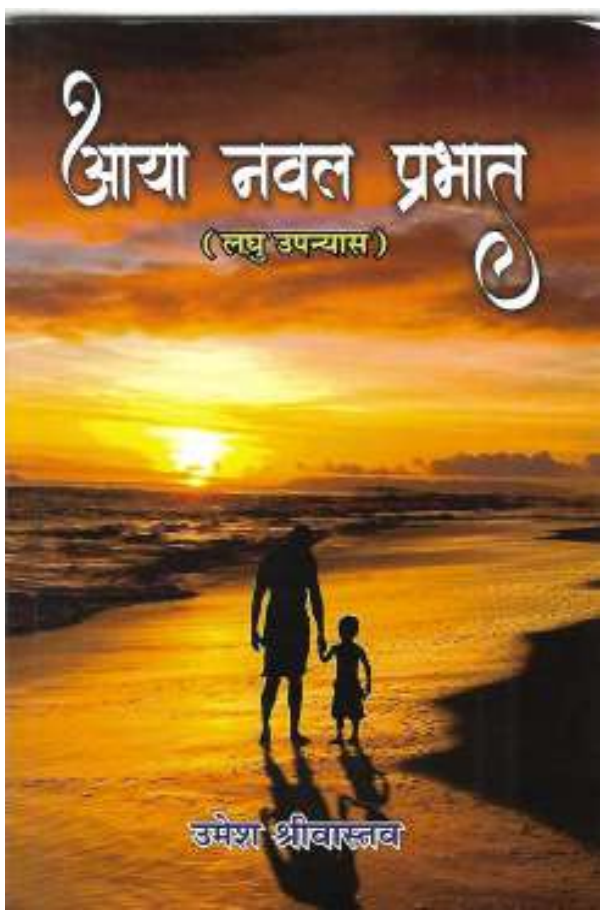

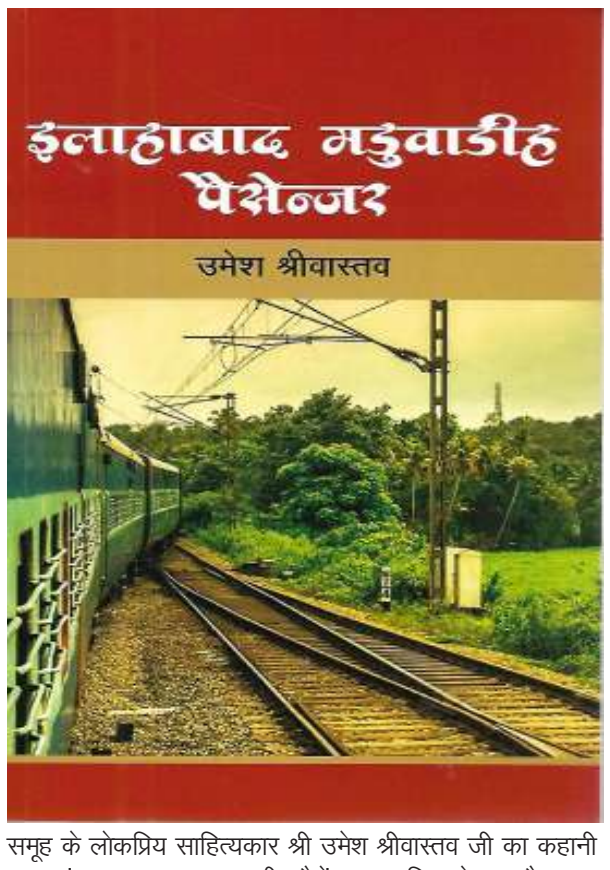

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

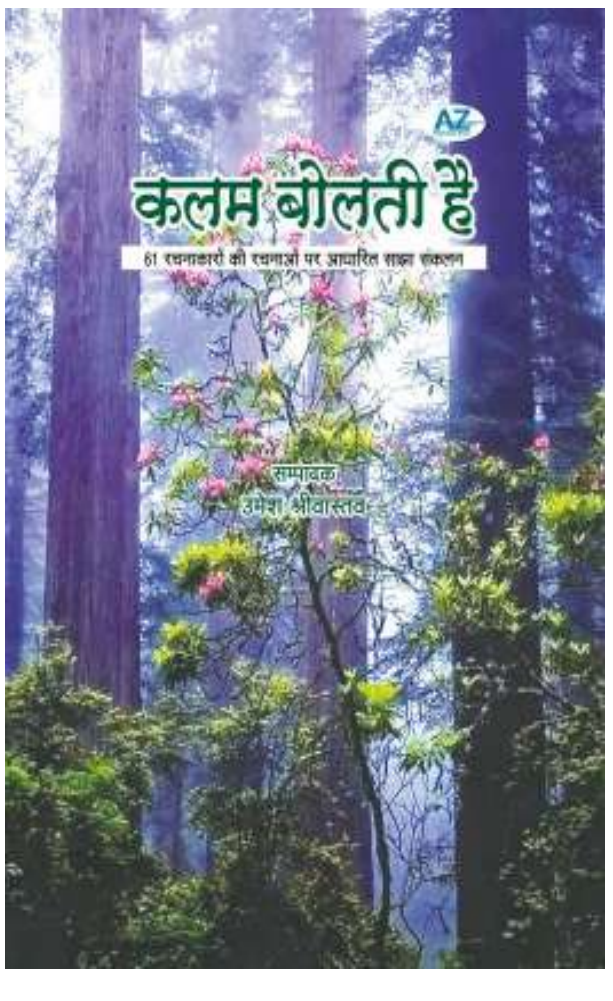

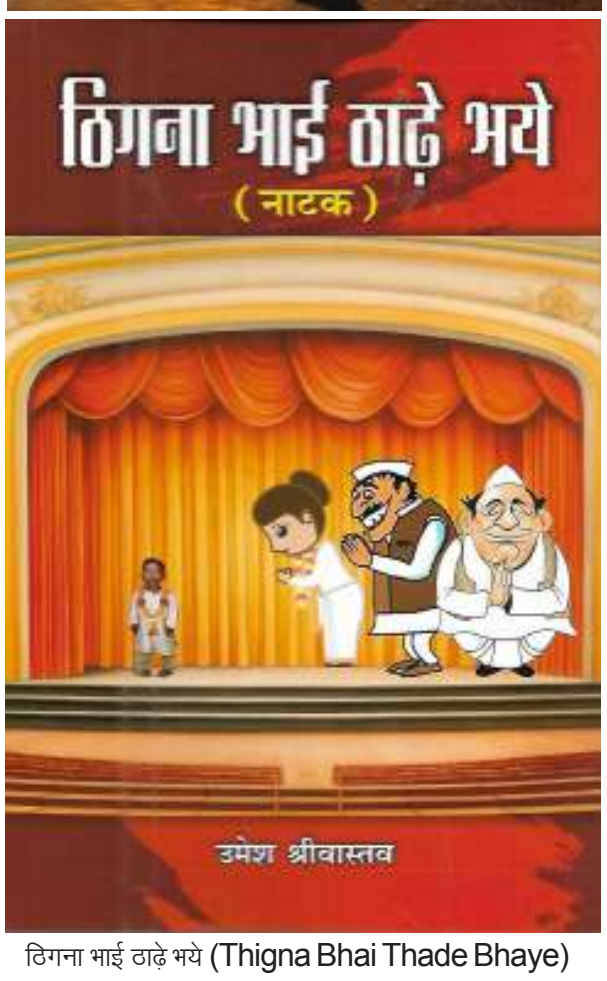

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कोलंबिया: मलबे से आई फुसफुसाहट ने बचाई छह महीने के मासूम की जान, बेटे के जन्मदिन पर काल के मुंह से बाहर आई मां

पेरेरा, एजेंसी। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप के तीसरे दिन एक चमत्कारी घटना सामने आई है। कैली शहर के ला टोरेस डेल लिमोनार आवासीय परिसर

में ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे के ढेर से छह महीने के मासूम बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे के भीतर से आई बेहद धीमी फुसफुसाहट ने जान बचाई। सोमवार को आए इस शक्तिशाली भूकंप के बाद जब ब्रायन ओसोरियो जुलुगा अपने ऑफिस से बाइक पर सवाल होकर घर लौट रहे थे तो वो रास्ते में मलबे में तब्दील हो चुकी इमारत देखकर रुक गए। गैस लीक की चेतावनी के बावजूद वह मलबे के पास पहुंचे और लोगों से खामोश रहने के लिए कहा। तभी मलबे के नीचे से एक शख्स की क्षीण आवाज गूंजी। हां! मैं यहां हूं। मेरे साथ एक बच्चा है। इसके बाद ब्रायन और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। रास्ते में एक भारी कंक्रीट का स्लैब रुकावट बना, जिसे सबने मिलकर एक साथ उठाया। जैसे ही मलबा हटा, बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं। एक पुलिसकर्मी की मदद से बच्चे को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। आधे दबे हुए उस व्यक्ति को भी सुरक्षित बचा लिया गया। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस विनाशकारी भूकंप में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में तब्दील हुई इस इमारत के पास लोगों का यह साझा प्रयास इंसानियत की मिसाल बन गया। वहीं, रियोसुसियो शहर के रहने वाले जूलियो सीजर लार्गो की 32 वर्षीय बेटी डेनियला चमत्कारिक रूप से बच गईं। घटना के दिन उनके बेटे का 12वां जन्मदिन था और परिवार जश्न की तैयारी कर रहा था। डेनियला परेरा शहर में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से मलबे में फंस गई थीं और 38 घंटे तक दबी रहीं। रेस्क्यू टीम ने 10 घंटे के कड़े संघर्ष के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल ले जाते समय लोगों ने तालियां बजाकर खुशी मनाई। पिता ने इसे अपनी बेटी के दोबारा जन्म जैसा बताया है।

आर्कटिक में तनाव की चेतावनी: पुतिन ने समुद्री मार्ग में भारत की रुचि का जिक्र क्यों किया? NATO का भी उल्लेख

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्कटिक क्षेत्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रूस के साझेदार देशों में नॉर्दर्न सी रूट के साथ सहयोग को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है और भारत इस दिशा में प्रमुख देशों में शामिल है। पुतिन ने यह बात बुधवार को प्रशांत बेड़े

के जवानों के साथ बैठक के दौरान कही। उनके बयान में भारत का जिक्र ऐसे समय हुआ है, जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच नए व्यापार और समुद्री रास्तों पर सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। नॉर्दर्न सी रूट क्या है और भारत के लिए क्यों अहम? नॉर्दर्न सी रूट आर्कटिक क्षेत्र से होकर गुजरने वाला समुद्री मार्ग है। रूस लंबे समय से इस रास्ते की क्षमता का इस्तेमाल बढ़ाने पर जोर देता रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस इस मार्ग के फायदे का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के दायरे में रहकर करने को तैयार है। भारत की बढ़ती रुचि का मतलब यह है कि नई दिल्ली इस मार्ग से जुड़ी संभावनाओं को व्यापार और रणनीतिक सहयोग के नजरिये से देख रही है। पुतिन ने नाटो को लेकर क्या चेतावनी दी?

पुतिन ने नॉर्दर्न सी रूट में बढ़ती दिलचस्पी के साथ आर्कटिक में बढ़ते 'कृत्रिम तनाव' की भी चेतावनी दी। उन्होंने बाहरी देशों की गतिविधियों और नाटो के विस्तार का संकेत देते हुए कहा कि आर्कटिक में तनाव पैदा करने की कोशिशों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रूस के लिए आर्कटिक क्षेत्र रणनीतिक रूप से बेहद अहम है और वह इस इलाके में अपनी मौजूदगी तथा हितों को लेकर लगातार सतर्क रहा है। भारत, रूस और चीन की भूमिका क्या? पुतिन ने कहा कि चीन, भारत और दूसरे देश रूस के साथ नॉर्दर्न सी रूट पर सहयोग को लेकर सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने भारत को उन प्रमुख देशों में गिना जिनकी इस समुद्री मार्ग में दिलचस्पी बढ़ रही है। रूस के साथ भारत के पुराने रणनीतिक संबंधों और ऊर्जा सहयोग को देखते हुए आर्कटिक मार्ग आने वाले समय में दोनों देशों के लिए सहयोग का एक नया क्षेत्र बन सकता है। रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों का क्या असर? यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने कई प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के बीच रूस अपने व्यापार के लिए वैकल्पिक रास्तों और साझेदार देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे भारतीयों को बड़ा झटका, ईबी-2 भारत का कोटा अस्थायी रूप से क्यों बंद ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों और उच्च कुशल कामगारों के लिए बड़ा झटका है। ईबी–2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष खत्म होने के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। लंबित आवेदनों पर कागजी काम जारी रहेगा, लेकिन क्या नए वित्त वर्ष में भारतीयों को फिर राहत मिलेगी? अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों और दूसरे उच्च कुशल कामगारों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इनमें एच–1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईबी–2 भारत श्रेणी का ग्रीन कार्ड कोटा अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह रोक 30 सितंबर को खत्म हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष के कारण लगी है। इसका सीधा असर उन भारतीय आवेदकों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में स्थायी निवास की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ईबी–2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा क्यों हुआ बंद?

ईबी–2 श्रेणी में एडवांस्ड डिग्री रखने वाले या असाधारण योग्यता वाले पेशेवर शामिल होते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष का कोटा खत्म होने की वजह से ईबी–2 भारत के लिए नए आप्रवासी वीजा नंबर फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब है कि भारतीय आवेदकों के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में कुशल भारतीय कर्मचारी एच–1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में हैं। भारतीय आवेदकों को पहले कैसे मिल जाती थी राहत? भारतीय आवेदकों को पहले दूसरे देशों के इस्तेमाल नहीं हुए वीजा नंबरों से कुछ राहत मिल जाती थी। अमेरिकी आव्रजन कानून फर्म डब्ल्यूआर इमिग्रेशन के अनुसार, दूसरे देशों के बचे हुए वीजा नंबर छनकर ईबी–2 और ईबी–3 भारत श्रेणी में पहुंच जाते थे। इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्धता कुछ बेहतर हो जाती थी। लेकिन अब यह व्यवस्था पहले की तरह राहत नहीं दे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्ध जगह और सीमित हो रही है। क्या लंबित आवेदनों पर भी पूरी तरह रोक लग गई है? फिलहाल ऐसा नहीं है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस में पहले से लंबित आवेदनों की कागजी प्रक्रिया जारी रह सकती है। लेकिन इन आवेदनों को अंतिम मंजूरी देने के लिए वीजा नंबर उपलब्ध होना जरूरी है। मौजूदा कोटा खत्म होने के कारण अंतिम वीजा नंबर अभी आवंटित नहीं किया जा सकता। नया कोटा जारी होने के बाद ही इन मामलों में अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। नए वित्त वर्ष में भारतीयों के लिए क्या चुनौती रहेगी? इस रोक के बाद भारतीय आवेदकों की चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि विशेषज्ञों ने आगामी वित्त वर्ष में भी ईबी–2 और ईबी–3 भारत श्रेणियों में सीमित उपलब्धता की चेतावनी दी है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार कर रहे भारतीय उच्च कुशल कामगारों को आगे भी लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह स्थिति महत्वपूर्ण है, जो एच–1बी वीजा पर अमेरिका में रहकर स्थायी निवास की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

'सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक': व्हाइट हाउस प्रेस सचिव लेविट की विदाई पर बोले ट्रंप, क्या होगी नई भूमिका ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को (स्थानीय समय) घोषणा की कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ देंगी। वह अपने छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा? ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लेविट को अपनी श्सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एकश बताया। उन्होंने कहा कि वह उनके फैसले को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, हमारी व्हाइट हाउस की शानदार प्रेस सचिव और मेरी सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ेंगी, ताकि वह अपने प्यारे छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकें। मैं उनके इस फैसले को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि लेविट आगे भी उनके शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक के रूप में काम करती रहेंगी। साथ ही वह रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि उनका प्रशासन आने वाले मध्यावधि चुनावों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने आगे कहा, कैरोलिन अब मेरे शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक होंगी और रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि हम इतिहास को गलत साबित करने और मध्यावधि चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कैरोलिन व्हाइट हाउस में एक सच्ची नेता रही हैं और उन्होंने 2018 से न्याय, स्वतंत्रता और आजादी के लिए शानदार काम किया है। इसमें 2024 का हमारा ऐतिहासिक चुनाव अभियान भी शामिल है। कैरोलिन व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के पद के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रेस सचिवों में से एक रही हैं। कैरोलिन अच्छी तरह से काम करने के लिए आपका धन्यवाद। कैरोलिन लेविट ने क्या कहा? लेविट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना श्उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मानश रहा है। उन्होंने कहा, श्पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतने असाधारण अवसर दिए। इनमें वेस्ट विंग में काम करना, ओवल ऑफिस में अनगिनत घंटे बिताना, दुनियाभर में उड़ान भरना और विदेशी नेताओं से मिलना और हमारे खूबसूरत देश की यात्रा करके हर तरह के लोगों से मिलना शामिल है। राष्ट्रपति ट्रंप का आभार जताया लेविट ने आगे कहा, सबसे बढ़कर, मैं राष्ट्रपति की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे व्हाइट हाउस के पोडियम से उनकी ओर से बोलने का विशेष अधिकार और जिम्मेदारी दी। मैंने इस प्रशासन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में बहुत गर्व के साथ बात की है। मैंने उदारवादी मीडिया को जवाबदेह ठहराने और यह सुनिश्चित करने का भी पूरा आनंद लिया है कि अमेरिकी लोगों तक राष्ट्रपति ट्रंप की सफलताओं की सच्चाई पहुंचे। मां के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए लेविट ने कहा कि अपने छोटे बच्चों की परवरिश के साथ इतनी व्यस्त नौकरी करना संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण रहा है। जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत करने का कठिन फैसला उन्होंने कहा, मां बनना और एक नए बच्चे का स्वागत करना, साथ ही दुनिया की सबसे कठिन नौकरियों में से एक को करना, मेरी जिंदगी का सबसे संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर रहा है। सच यह है कि अपनी बेटी के जन्म के बाद व्हाइट हाउस लौटने के बाद से मेरे दिल में यह भावना रही कि व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के लिए जरूरी समय, ऊर्जा और ध्यान देने के साथ मैं अपने दो छोटे बच्चों के लिए उनकी जरूरत के मुताबिक सबसे अच्छी मां नहीं बन सकती। इसी वजह से मैंने आखिरकार व्हाइट हाउस छोड़ने और अपनी जिंदगी के एक नए अध्याय की शुरुआत करने का यह भावुक लेकिन कठिन फैसला लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी से अमेरिका के अस्तित्व को खतरा उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझसे बाहर से उनके शीर्ष सलाहकारों में से एक के रूप में काम करते रहने को कहा है। मैं हमेशा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और रिपब्लिकन पार्टी की खुलकर वकालत करती रहूंगी। हमारा देश एक ऐसी डेमोक्रेटिक पार्टी से अस्तित्व के लिए बड़े खतरे का सामना कर रहा है, जो लगातार ज्यादा कट्टरपंथी होती जा रही है और अमेरिका की हर महान चीज को नष्ट करना चाहती है। मेरा मानना है कि जो भी लोग इस देश की परवाह करते हैं, उन सभी की जिम्मेदारी है कि वे इस खतरे के खिलाफ लड़ें। मेरी लड़ाई अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुई है।

ईरानी मिसाइल के निशाने पर थे ट्रंप: दावा- IRGC को पता थी लोकेशन, खुफिया एजेंसियों ने कैसे फेरा मंसूबे पर पानी ?

वॉशिंगटन , एजेंसी। नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर खतरे का दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कई इनपुट मिले थे कि ईरान को तुर्किये की राजधानी अंकारा में ट्रंप के ठिकाने की सटीक जानकारी थी। बताया गया कि ईरानी एजेंटों को उस होटल

की मंजिल तक की जानकारी थी, जहां ट्रंप ठहरे हुए थे। सुरक्षा अधिकारियों ने इसी दौरान ट्रंप को निशाना बनाने वाले संभावित सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल खतरे का भी पता लगाया। क्या ट्रंप को मिसाइल से निशाना बनाने की तैयारी थी? खतरे का आकलन इतना गंभीर बताया गया कि अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों ने असाधारण सुरक्षा योजना तैयार की। रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो सम्मेलन के आसपास एक व्यक्ति को कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल के साथ भी देखा गया था। साथ ही ऐसी जानकारी सामने आई कि ट्रंप को ले जाने वाले विमान को निशाना बनाया जा सकता है। इसके बाद ट्रंप की आवाजाही को सार्वजनिक रूप से सामान्य दिखाते हुए उन्हें गुप्त तरीके से दूसरे विमान में भेजने की योजना बनाई गई। ट्रंप को एयरपोर्ट से गुप्त तरीके से कैसे निकाला गया? सुरक्षा योजना के तहत ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से पुराने एयरफोर्स वन में सवार होने का दृश्य दिया। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट के अंदर एक कैटरिंग कंटेनर के जरिए गुप्त रूप से बाहर निकाला गया और सैन्य विमान से तुर्किये से बाहर ले जाया गया। दूसरी ओर, मूल एयरफोर्स वन को अंकारा से ब्रिटेन के लिए रवाना किया गया। इसमें विदेश मंत्री मार्को रुबियो, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सहयोगी स्टीफन मिलर तथा स्टीवन च्यूंग समेत कई अधिकारी मौजूद थे। क्या एयरफोर्स वन में बैठे लोगों को खतरे की जानकारी थी? रिपोर्ट के मुताबिक, मूल एयरफोर्स वन में मौजूद सभी यात्रियों को खतरे की पूरी गंभीरता की जानकारी नहीं दी गई थी। 8 जुलाई को अंकारा से ब्रिटेन की उड़ान के दौरान यात्रियों को विमान की खिड़कियों के पर्दे बंद रखने का निर्देश दिया गया। बाद में ट्रंप गुप्त रूप से फिर एयरफोर्स वन में शामिल हो गए और कैमरों के सामने ऐसे दिखाई दिए, जैसे वह पूरे समय उसी विमान में रहे हों। इस पूरी कार्रवाई को लेकर पूर्व व्हाइट हाउस अधिकारियों के बीच भी सवाल उठे हैं। क्या ट्रंप की सुरक्षा के लिए उठाया गया कदम सही था? इस सुरक्षा अभियान को लेकर दो तरह की राय सामने आई है। कुछ पूर्व अधिकारियों का मानना है कि जिस विमान को डिकॉय बनाया गया, उसमें मौजूद लोगों को खतरे की जानकारी दी जानी चाहिए थी। वहीं, इस फैसले का बचाव करने वालों का तर्क है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय खतरे की स्थिति में असाधारण कदम उठाना जरूरी था। ट्रंप ने बाद में कहा कि उन्होंने सीक्रेट सर्विस के निर्देशों का पालन किया और इस दावे को खारिज किया कि विमान में मौजूद लोगों को जानबूझकर ज्यादा खतरे में डाला गया।

क्या पश्चिम एशिया में फिर बिगड़ेंगे हालात? लाल सागर में हूती लड़ाकों ने सऊदी जहाजों को बनाया निशाना

रियाद, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को सऊदी जहाजों को निशाना बनाया। जिससे पश्चिम एशिया के हालात फिर से बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोहियों ने बुधवार को लाल सागर में एक सैन्य परिवहन पोत पर हमला किया और सऊदी समर्थित ठिकानों पर भी हमले किए। हूती विद्रोहियों ने सऊदी ठिकानों पर किए हमले हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता

ने एक बयान में कहा कि शविद्रोही समूह ने मोचा और मारिब क्षेत्रों में सऊदी अरब के सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस दौरान हथियार डिपो और कमान केंद्रों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। हमले सटीक थे और इनमें सऊदी नागरिकों समेत दर्जनों लोग हताहत हुए। हूती लड़ाकों ने कहा है कि वे आगे भी सऊदी अरब की सैन्य टुकड़ियों को निशाना बनाना जारी रखेंगे। सऊदी अरब तनाव बढ़ाकर हमारे देश पर कब्जा करना चाहता है। इससे पहले भी हूति विद्रोहियों ने बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक पोत पर मिसाइल हमला किया था। जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए थे। यमन सरकार ने इस हमले के पीछे हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया था। यमन की सरकार ने हूतियों से हथियार डालने की अपील की इस बीच यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशाद अल अलीमी ने कहा है कि सरकार हूती विद्रोहियों की कार्रवाई का जवाब देगी। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वे समूह से लड़ाई खत्म करने, हथियार डालने और देश की राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान भी करते हैं। यमन में युद्ध फिर भड़कने के कगार पर

यमन का युद्ध फिर भड़कने के कगार पर है। हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का एलान कर दिया है। वहीं सऊदी अरब ने भी बीते दिनों यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले किए थे। हूती विद्रोही ईरान समर्थित हैं और उनका सऊदी के साथ विवाद है। ताजा विवाद बीती 13 जुलाई को तब भड़का, जब कुछ हूती नेता ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल होकर ईरान से यमन लौट रहे थे। लेकिन यमन की सऊदी समर्थित सरकार ने उन्हें राजधानी सना के एयरपोर्ट पर उतरने की इजाजत नहीं दी, जिससे दोनों पक्षों में फिर से तनातनी बढ़ गई है। यमन में अमेरिकी हवाई हमलों में 150 से अधिक नागरिक मारे गए इसी बीच पीटीआई के हवाले से आई एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों में 150 से अधिक नागरिक मारे गए हैं। देश के रक्षा विभाग यानी पेंटागन की समीक्षा रिपोर्ट से आंकड़े सामने आए हैं, जिसे अमेरिकी कांग्रेस में पेश किया गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।